दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

मालती चाहर ने बिकनी पहन ...8

सिद्धार्थनगर
शुक्रवार, 03 अप्रैल 2026
वर्ष: 13 अंक : 106 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ममता के गढ़ भवानीपुर में गरजे अमित शाह

बिना डर वोट दें, टीएमसी को उखाड़कर बंगाल की खाड़ी में फेंक दें

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कोलकाता में एक राजनीतिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हर किसी को बिना किसी डर के मतदान करना चाहिए ताकि टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके और उसे बंगाल की खाड़ी में बहा दिया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि इस बार किसी को डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि कोई भी गुंडा पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता। अमित शाह ने कोलकाता में एक चुनावी रैली में कहा कि इस बार किसी को डरने की जरूरत नहीं हैय कोई गुंडा बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता। हर किसी को बिना किसी डर के मतदान करना चाहिए ताकि टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके और उसे बंगाल की खाड़ी में बहा दिया जा सके।

ममता के निर्वाचन क्षेत्र में भी बदलाव आएगा

बंगाल में लगभग हर दिन बम हमले और गोलीबारी की खबरों का हवाला देते हुए अमित शाह ने कहा कि न केवल बंगाल में बल्कि ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र भाबनीपुर में भी बदलाव आएगा। गौरतलब है कि अमित शाह ने गुरुवार को भाबनीपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के नामाकन दाखिल करने के कार्यक्रम में भाग लिया और उनके साथ रोड शो किया। रोड शो भाबनीपुर के विभिन्न हिस्सों से होते हुए सर्वे भवन पर समाप्त हुआ, जहां अधिकारी अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि काफिला सर्वे भवन से लगभग 200 मीटर पहले रुकेगा और शाह अधिकारी के साथ कार्यालय तक जाएंगे, जहां भाजपा नेता अपना नामांकन पत्र जमा करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ

राजनाथ सिंह का पाकिस्तान को संदेश, कोई दुस्साहस किया तो...

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को ईरान युद्ध के कारण उत्पन्न मौजूदा वैश्विक स्थिति के बीच भारत के पड़ोसी द्वारा किसी भी प्रकार के दुस्साहस को अंजाम देने की स्थिति में निर्णायक कार्रवाई की कड़ी चेतावनी जारी की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि मौजूदा हालात में हमारा पड़ोसी कोई भी दुस्साहस कर सकता है। अगर वह ऐसा करता है, तो भारत की कार्रवाई अभूतपूर्व और निर्णायक होगी। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। चुनाव वाले केरल में सैनिक सम्मान सम्मेलन में बोलते हुए, राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि भारतीय नौसेना के जहाज देश के टैंकरों को व्यस्त जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से निकाल रहे हैं। राजनाथ सिंह की टिप्पणी पाकिस्तान की ओर इशारा करती प्रतीत हुई, जिसके खिलाफ भारत ने पिछले साल मई में जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में एक महीने पहले हुए घातक आतंकवादी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैन्य हमले शुरू किए थे। देश में ईंधन संकट की अफवाहों को खारिज करते हुए, राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ लोग पश्चिम एशिया में चल रहे इस संघर्ष को लेकर झूठ फैलाकर दहशत पैदा करना चाहते हैं। देश में न तो पेट्रोल–डीजल की कमी है और न ही गैस की। भारत किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष पर इस संकट के दौरान देश के साथ खड़े होने के बजाय छोटी राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया।

35 देशों की उम्मीद मोदी पर टिकी

अब हॉर्मुज खुलवाएगा भारत!

नई दिलली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए यूनाइटेड किंगडम द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय वर्चुअल शिखर सम्मेलन में भाग लेगा, और साथ ही यह भी बताया कि लंदन ने नई दिल्ली को निमंत्रण भेजा है। मीडिया ब्रीफिंग में बोलते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ब्रिटेन ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर वार्ता के लिए भारत सहित कई देशों को आमंत्रित किया है। उन्होंने आगे बताया कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी गुरुवार शाम को वार्ता में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हम ईरान और अन्य देशों के साथ संपर्क में हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि हमारे जहाजों के लिए निर्बाध और सुरक्षित पारगमन कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है, जिनमें एलपीजी, एलएनजी और अन्य उत्पाद ले जाए जा रहे हैं। जयसवाल ने आगे कहा कि पिछले कई दिनों से चल रही बातचीत के परिणामस्वरूप, छह भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रूप से पार करने में सक्षम रहे हैं, और हम संबंधित पक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

ब्रिटेन के होर्मुज शिखर सम्मेलन में अमेरिका की उपेक्षा

लगभग 30 देशों का एक गठबंधन ब्रिटेन द्वारा आयोजित आभासी शिखर सम्मेलन में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की योजनाओं पर चर्चा करने वाला है। इस बैठक में महत्वपूर्ण जहाजरानी मार्ग तक पहुंच बहाल करने के लिए राजनयिक और राजनीतिक विकल्पों पर विचार–विमर्श किया जाएगा, हालांकि अमेरिका के इसमें भाग लेने की संभावना नहीं है। अमेरिका और इजराइल के बीच चल रहे युद्ध के जवाब में ईरान ने जलडमरूमध्य में कई जहाजों को निशाना बनाया है, जिससे ऊर्जा निर्यात बाधित हुआ है और वैश्विक ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं।

राज्य सभा में नीतीश कुमार की एंट्री

10 अप्रैल को शपथ, 14 के बाद बिहार में नई सरकार!

नई दिल्ली। जेडीयू प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि अन्य सदस्य भी उसी दिन शपथ ग्रहण करेंगे। इसके लिए नीतीश कुमार 9 अप्रैल को दिल्ली रवाना होंगे। माना जा रहा है कि बिहार में 14 अप्रैल के बाद नई सरकार का गठन होगा। जानकारी के मुताबिक 10 अप्रैल की शाम या 11 अप्रैल की सुबह वह दिल्ली से पटना लौटेंगे। इसके बाद वह सीएम पद से इस्तीफा दे सकते है। नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी कुछ समय से संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए संकेत दे रहे हैं कि कोई व्यक्ति विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य न रहने के बाद भी छह महीने तक मुख्यमंत्री के पद पर बना रह सकता है। हालांकि, फिलहाल ऐसा होता नहीं दिख रहा है। इससे पहले दिन में, बिहार गृह विभाग ने आदेश जारी किया कि नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिलती रहेगी। विशेष शाखा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्यसभा सदस्य के रूप में पदभार ग्रहण करने पर भी उनकी सुरक्षा बरकरार रहेगी। यह आदेश बिहार विशेष सुरक्षा अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के तहत उनकी सुरक्षा आवश्यकताओं की समीक्षा के बाद जारी किया गया। आदेश के अनुसार, पुलिस महानिदेशक और विशेष शाखा को उच्चतम स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि श्जेड प्लसश श्रेणी भारत में सर्वोच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान करती है, जो प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं जैसे शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों के लिए आरक्षित है। यह सुरक्षा व्यवस्था बहुस्तरीय है, जिसमें निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ), सशस्त्र गार्ड, एस्कॉर्ट वाहन और चौबीसों घंटे निगरानी सहित लगभग 55 कर्मी शामिल हैं।

केरल में बीजेपी–एनडीए को मिल रहा जबरदस्त समर्थन, बूथ संवाद से पहले पीएम का आत्मविश्वास

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अप्रैल को कहा कि केरल की जनता भाजपा–एनडीए गठबंधन को जबरदस्त समर्थन दे रही है, और इस बात पर जोर दिया कि मतदाताओं ने एलडीएफ और यूडीएफ दोनों के खोखले वादों को भांप लिया है। आज शाम वे मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद – केरलम कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से बातचीत करेंगे। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि केरल की जनता पूरे राज्य में भाजपा–एनडीए का उत्साहपूर्वक समर्थन कर रही है। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ दोनों के खोखले वादों को भांप लिया है। आज शाम 4रू30 बजे होने वाले 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद – केरल' का बेसब्री से इंतजार है।

केरल विधानसभा चुनाव 2026 में 9 अप्रैल को होने हैं और मतगणना 4 मई को शुरू होगी। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 23 मई को समाप्त हो रहा है। 31 मार्च को केरल में भारतीय जनता पार्टी ने अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया, जिसमें सत्ता में आने पर राज्य के विकास के लिए विस्तृत योजना प्रस्तुत की गई है। इसमें क्षेत्र–विशिष्ट आर्थिक विकास और महिलाओं तथा गरीब परिवारों के लिए कल्याणकारी पहलों का भी उल्लेख है। घोषणापत्र का अनावरण पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और राज्य पार्टी प्रमुख राजीव चंद्रशेखर ने किया।

घोषणापत्र का उद्देश्य केरल को एक पसंदीदा वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करना और राज्य के शहरों को विशिष्ट आर्थिक केंद्रों के रूप में विकसित करना है। इसमें तिरुवनंतपुरम को सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार की राजधानी, कोच्चि को भारत के जहाज निर्माण केंद्र, कोझिकोड को स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा नवाचार केंद्र, त्रिशूर को सांस्कृतिक पर्यटन की राजधानी, कोल्लम को समुद्री निर्यात को प्राथमिकता देने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी ब्लू इकोनॉमी क्लस्टर और कन्नूर को रक्षा नवाचार केंद्र के रूप में बढ़ावा देने का प्रस्ताव है। पार्टी का कहना है कि इन क्षेत्रीय केंद्रों से पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

हिमंता की राजनीतिक भविष्यवाणी! बोले– असम में एनडीए को 100 सीटें, कांग्रेस दहाई में सिमटेगी

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने प्रत्येक राजनीतिक दल को मिलने वाली सीटों की संख्या के बारे में अपनी भविष्यवाणियां जारी की हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया है कि आगामी विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ एनडीए कुल 126 सीटों में से 90–100 सीटें जीतेगा। सरमा ने पत्रकारों से कहा कि हम आगामी चुनावों में 90–100 सीटें जीतेंगे। कांग्रेस को 16–17 सीटें, अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) को 5–6 सीटें, रायजोर दल को 1 सीट और असम जातीय परिषद को कोई सीट नहीं मिलेगी। हम तिहू और नलबाड़ी सीटों पर अच्छे अंतर से आराम से जीत हासिल करेंगे। अखिल गोगोई की पार्टी रायजोर दल दिहिंग में केवल एक सीट जीतेगी। शिवसागर में कड़ी टक्कर होगी, लेकिन अंत में एनडीए उम्मीदवार ही जीतेगा। पहले भी कई चुनावों से पहले उनकी कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम धुबरी और गोलकगंज जीतेंगे। गुवाहाटी में कोई मुकाबला नहीं है क्योंकि हम गुवाहाटी की सभी सीटें अच्छे अंतर से जीतेंगे।

राहुल ने असम विधानसभा में खोला कांग्रेस के वादों का पिटारा, 11 संकल्पों वाला घोषणापत्र जारी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें शासन और स्वास्थ्य सेवा जैसे 11 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यहां एक चुनावी रैली में राहुल गांधी, कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र के 11 संकल्पों में शासन, पहचान, स्वास्थ्य सेवा, अवसंरचना विकास, औद्योगीकरण, कृषि, ग्रामीण और शहरी विकास, जलवायु परिवर्तन और सुरक्षित असम जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इससे पहले, कांग्रेस ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की यात्रा के दौरान 29 मार्च को 'पांच गारंटी' जारी की थीं। असम विधानसभा की 126 सीट के लिए मतदान नौ अप्रैल को होगा और मतगणना चार मई को होगी।

बजट सत्र स्थगित, 16 संसद को संसद का विशेष सत्र।किरेन रिजिजू बोले– एक बहुत महत्वपूर्ण ठपससश ला रहे हैं

भारत सरकार 16 से 18 अप्रैल, 2026 तक संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाने जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य महिला आरक्षण अधिनियम, जिसे आधिकारिक तौर पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के नाम से जाना जाता है, के कार्यान्वयन में तेजी लाने के उद्देश्य से संशोधनों पर चर्चा करना और उन्हें पारित करना है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों की कार्यवाही आज, 2 अप्रैल को स्थगित कर दी गई। इससे पहले, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि सदन जल्द ही एक महत्वपूर्ण विधेयक पर विचार करने के लिए फिर से बैठेगा। रिजिजू ने कहा कि हमारे पास कुछ विधेयक और महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, और हमने इनकी जानकारी विपक्ष को भी दे दी है।

ईरान-यूएस जंग पर ओवैसी की पीएम मोदी से अपील, सिर्फ आप ही रुकवा सकते हैं ये युद्ध

हैदराबाद। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने 2 अप्रैल को ईरान के साथ संघर्ष के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्र संबोधन पर प्रतिक्रिया देते हुए, ट्रम्प की सैन्य आक्रमण की योजनाओं पर चिंता व्यक्त की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया। हैदराबाद के सांसद ने इजरायल–ईरान संघर्ष के कारण खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों को हो रही कठिनाइयों पर प्रकाश डाला। ओवैसी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अब वहां सैन्य आक्रमण करेंगे३ वाणिज्यिक गैस प्राप्त करना मुश्किल हो गया है३ अब भारत को और भी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। यह बहुत चिंताजनक है क्योंकि कई भारतीय नागरिक जीसीसी देशों में काम

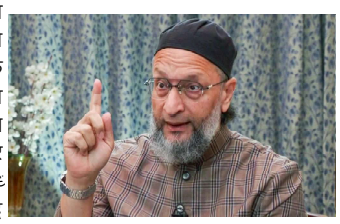

करते हैं। हमें अब भी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) युद्ध समाप्त करने की वकालत करेंगे, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण है। ओवैसी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की ओर बढ़ते कदम की भी आलोचना करते हुए इसे असंवैधानिक और भारत के संविधान के सिद्धांतों के विपरीत बताया। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार धर्म की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है। प्रस्तावना में विचार की स्वतंत्रता, समानता और न्याय की बात कही गई है। यूसीसी के नाम पर हिंदू संहिता विधेयक थोपने का प्रयास किया जा रहा है, जो गलत और असंवैधानिक है। यह घटना फरवरी के अंत में ईरान के साथ शुरू हुई हालिया शत्रुता के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के संबोधन के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ अमेरिकी सेना की निर्णायक कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए कहा था कि अभियान के मुख्य उद्देश्य पूरे होने के करीब हैं। ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान की समुद्री और हवाई क्षमताओं को व्यवस्थित रूप से नष्ट कर दिया गया है और उसके व्यापक सैन्य ढांचे को काफी कमजोर कर दिया गया है।

अरविंद केजरीवाल का गुजरात सरकार पर बड़ा आरोप

बोले-आम आदमी पाटी कार्यकर्ताओं पर हो रही सुनियोजित कार्यवाही

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ "सुनियोजित कार्रवाई" किये जाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए पटेल के साथ बैठक का अनुरोध किया। केजरीवाल ने पत्र में गुजरात में पिछले तीन महीनों में दर्ज 145 प्राथमिकी और 160 से अधिक गिरफ्तारियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं को

निशाना बना रही है। उन्होंने लिखा, "लोगों को 'आप' के रूप में पहली बार एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प मिला है। लोग जानते हैं कि आम आदमी पार्टी पढ़े–लिखे, बेखौफ, ईमानदार और देशभक्त व्यक्तियों की पार्टी है, जो भाजपा से कभी समझौता नहीं करेगी।" केजरीवाल ने कहा, "यही कारण है कि हाल के वर्षों में गुजरात में 'आप' की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है और अब बड़े पैमाने पर चर्चा है कि राज्य में भाजपा सत्ता से बाहर होने वाली है और आम आदमी पार्टी की सरकार बनने वाली है।" उन्होंने भाजपा पर 'आप' के ज्यादातर नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करके पार्टी को कमजोर करने तथा उसका "अस्तित्व मिटाने" की साजिश रचने का आरोप लगाया। 'आप' प्रमुख ने कहा, "इस साजिश के तहत भाजपा सरकार के आदेश पर अकेले पिछले तीन महीनों में गुजरात में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ 145 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और 160 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है।"

सब पढ़ेंगे सब बढ़ेंगे : शैलेष कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नवीन शैक्षिक मूर्त रूप प्रदान कर सकें। शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित

सत्र में शत–प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य पूरा करने के लिए शिक्षकों सहित जनप्रतिनिधियों एवं समाज के हर जागरूक व्यक्ति को सतत् प्रयास करने की जरूरत है जिससे हम सब पढ़ें सब बढ़ें के संकल्प को बृहस्पतिवार को पीएम श्री कंपोजिट स्कूल रेहरा में स्कूल चलो अभियान की जागरूकता रैली में शामिल होने के बाद बच्चों को निरू शुल्क पाठ्य–पुस्तकें वितरित कर नवीन सत्र का शुभारंभ किया। तत्पश्चात करते हुए बीएसए शैलेष कुमार ने कहा कि सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की बढ़ोत्तरी के साथ ही गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक गतिविधियों में भी उल्लेखनीय विकास हुआ है। सभी अभिभावकों को अपने छरू से चौदह वर्ष के बच्चों को निकटतम परिषदीय विद्यालयों में जल्द से जल्द नामांकन कराना चाहिए जहां उनके लिए निरू शुल्क शिक्षा की व्यवस्था के साथ ही निः शुल्क स्कूल यूनिफार्म, पौष्टिक भोजन एवं विभिन्न छात्रवृत्तियों का लाभ भी दिया जा रहा है। कार्यक्रम में बीईओ रामकुमार सिंह, डीसी अमित कुमार शुक्ला, नोडल संकुल जमील अहमद, अभय प्रताप सिंह, श्रेया पांडेय, आस्था जायसवाल, गरिमा पांडेय, रजनी जायसवाल, गंगोत्री, बबिता, तथा रीता आदि सहित बड़ी संख्या में बच्चों एवं अभिभावकों की उपस्थिति रही।

फर्जी केस, लूटपाट और धमकी के आरोपों से घिरी डुमरियागंज पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सामने आया है, जिसने पुलिस सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

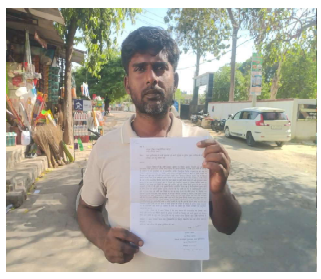

खड़े कर दिए हैं। स्थानीय निवासी फुरकान अहमद ने पुलिस और कुछ ग्रामीणों पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराने, लूटपाट करने और शिकायत के बावजूद कार्रवाई न करने के गंभीर आरोप लगाए थाना क्षेत्र से एक ऐसा मामला हैं। पीड़ित फुरकान अहमद का कहना है कि उनके खिलाफ जिस घटना को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया है, उसके समय और स्थान दोनों ही संदिग्ध हैं। उनका दावा है कि जिस जगह मारपीट की बात कही गई है, वहां सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है, लेकिन वीडियो में ऐसी कोई घटना दिखाई नहीं देती। फुरकान के अनुसार, वास्तविक विवाद मामूली था और कहीं अन्य स्थान पर हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने उनके घर में घुसकर तोड़फोड़ की, ट्रैक्टर–ट्रॉली और गेहूं तक उठा ले गए, लेकिन जब उन्होंने इसकी शिकायत की तो पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इतना ही नहीं, पीड़ित ने कुछ पुलिसकर्मियों पर अभद्र भाषा के प्रयोग और धमकी देने का भी आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है।

लोकसभा में उठा सिद्धार्थनगर (कपिलवस्तु) के पर्यटन व विरासत विकास का मुद्दा

दैनिक बुद्ध का संदेश

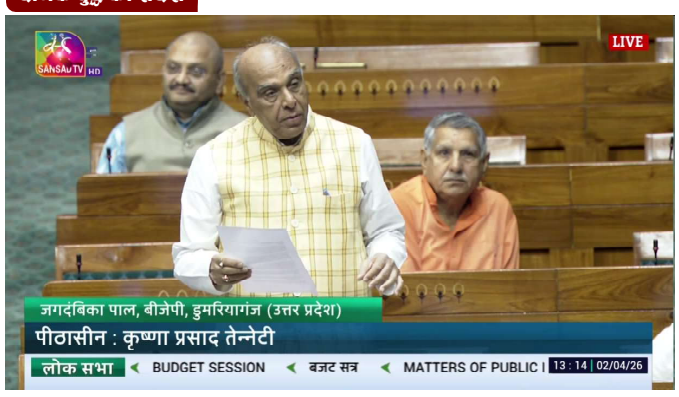

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज से सांसद जगदम्बिका पाल ने लोकसभा के शून्यकाल के दौरान उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जनपद (कपिलवस्तु क्षेत्र) के समग्र पर्यटन एवं विरासत विकास का मुद्दा उठाया। सांसद ने सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि सिद्धार्थनगर केवल एक प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि प्राचीन कपिलवस्तु की ऐतिहासिक भूमि है, जहां गौतम बुद्ध ने अपने जीवन के प्रारंभिक 29 वर्ष व्यतीत किए। उन्होंने विशेष रूप से जनपद में स्थित 10 ऐतिहासिक 'सागरों' (जलाशयों) का उल्लेख किया, जिनका निर्माण वर्ष 1902 में किया गया था। इनमें मर्थी, मझौली एवं सिसवा सागर, कपिलवस्तु स्तूप से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं और प्रत्येक की जलधारण क्षमता 30 लाख घन फुट से अधिक बताई गई है। सांसद ने कहा कि अपार संभावनाओं के बावजूद ये जलाशय अब तक समुचित योजना के अभाव में पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो सके हैं। यदि इनका वैज्ञानिक एवं योजनाबद्ध विकास किया जाए, तो यह क्षेत्र एक प्रमुख इको–टूरिज्म हब के रूप में विकसित हो सकता है, जहां वॉटर स्पोर्ट्स, पर्यावरण–अनुकूल पर्यटन, वुडन जोन तथा स्थानीय उत्पादों के विपणन हेतु '75 जिलों का मार्ट' स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले पांच वर्षों में कपिलवस्तु क्षेत्र में लगभग 13.5 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ है, जो इसकी वैश्विक पर्यटन क्षमता को दर्शाता है। सांसद के अनुसार, इन सागरों के सौंदर्यीकरण एवं समेकित विकास से पर्यटकों की संख्या में कई गुना वृद्धि संभव है। साथ ही उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि नेपाल सीमा से सटे होने के कारण इस क्षेत्र का विकास भारत की सकारात्मक एवं प्रगतिशील छवि को पड़ोसी देशों के समक्ष और अधिक सशक्त बनाएगा। अंत में सांसद जगदम्बिका पाल ने केंद्र सरकार से मांग की कि इन ऐतिहासिक जलाशयों के समग्र एवं एकीकृत विकास के लिए विशेष योजना तैयार की जाए, जिससे सिद्धार्थनगर को अंतरराष्ट्रीय स्तर के इको–टूरिज्म केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके।

आवासीय भवन में मदरसा संचालन पर ईओ ने थमाई नोटिस, तीन दिन में मांगा जवाब

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ के वार्ड नंबर–7 स्थित सुभाष नगर में

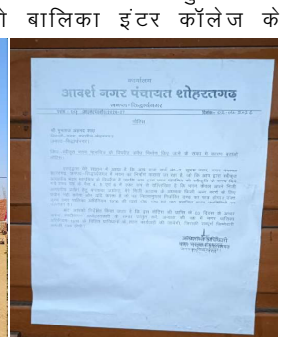

आवासीय भवन में कथित रूप से मदरसा संचालन की तैयारी का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। सोशल मीडिया पर मामला वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया और बुधवार को मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा दिया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, मुमताज अहमद शाह द्वारा नगर पंचायत से निजी आवासीय उपयोग के लिए भवन का मानचित्र स्वीकृत कराया गया था। हालांकि, उनके पते को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शपथ पत्र में उनका पता जोगिया ब्लॉक के ग्राम पंचायत डबरा, थाना मिश्रालिया दर्शाया गया है, जबकि आधार कार्ड में गुजरात के वापी (वलसाड़) का पता अंकित है। आरोप है कि स्वीकृति की शर्तों का उल्लंघन करते हुए उसी भवन में मदरसा संचालन की तैयारी की जा रही थी और उद्घाटन की भी योजना बनाई गई थी, जिसे प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद टालना पड़ा। यह भवन सेठ राम कुमार खेतान बालिका इंटर कॉलेज के पश्चिम–उत्तर दिशा में एकांत स्थान पर स्थित बताया जा रहा है। मामले में मुमताज अहमद शाह, मोहम्मद अल्ताफ हुसैन (निवासी जुगडिहवा) और जहीर शाह की भूमिका भी सामने आ रही है। गौरतलब है कि लगभग तीन वर्ष पूर्व भी इसी स्थान पर मदरसा निर्माण का प्रयास किया गया था, जिसे तत्कालीन जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देश पर रुकवा दिया गया था। उस समय संबंधित पक्षों द्वारा लिखित आश्वासन दिया गया था कि भवन का उपयोग केवल आवासीय कार्यों के लिए किया जाएगा। बुधवार को उपजिलाधिकारी विवेकानंद मिश्रा के निर्देश पर तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव एवं प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान आवश्यक अभिलेख मौके पर उपलब्ध नहीं कराए जा सके, जिसके चलते एहतियातन भवन को अस्थायी रूप से बंद करा दिया गया। उपजिलाधिकारी विवेकानंद मिश्रा ने बताया कि भवन स्वामी को उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह नहीं पहुंचे। उन्हें नोटिस भेजा जा रहा है। वहीं, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने बताया कि 8 अप्रैल 2022 को स्वीकृत मानचित्र के अनुसार भवन का उपयोग केवल निजी आवासीय कार्यों के लिए किया जाना था। इसके बावजूद वर्तमान गतिविधियों को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि निर्माण से जुड़े वित्तीय लेनदेन, जिसमें उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार बोर्ड के नाम से 38 हजार रुपये का चेक शामिल है, की भी जांच कराई जा रही है। अधिशासी अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि भवन स्वामी मुमताज अहमद शाह (निवासी डबरा) को स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। अन्यथा नगर पालिका अधिनियम–1916 की धारा 178, 179 एवं 180 के तहत विधिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है! मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर जारी है और प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

11 हजार लाइन की चिंगारी से सुलगी फसल, आधे घंटे में काबू

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र के बेलगड़ा सिवान में गुरुवार को 11 हजार हाईटेंशन लाइन में शॉर्ट सर्किट होने से निकली चिंगारी से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पास में खड़ी गेहूं की फसल को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों की सूझबूझ और तत्परता से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया। यदि समय पर आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो कई हेक्टेयर गेहूं की फसल जलकर राख हो सकती थी।घटना की सूचना मिलने के करीब आधे घंटे बाद तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव अग्निशमन दल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक ग्रामीण आग पूरी तरह बुझा चुके थे। तहसीलदार ने बताया कि इस आगजनी में लगभग दो से तीन मंडी गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गई है। संबंधित रिपोर्ट तैयार कर क्षतिपूर्ति के लिए शासन को भेजी जाएगी।

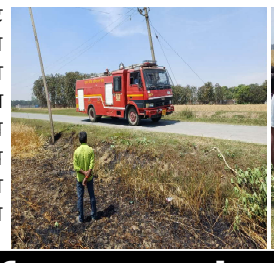

कार्यालय : ग्राम पंचायत- भेलौजी बुजुर्ग, वि.ख.- लोटन बाजार, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **भेलौजी बुजुर्ग** विकास खण्ड– लोटन बाजार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/राज्य वित्त/चौदहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि योजनान्तर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों एंव विद्युत उपकरण आदि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांकः 15.04.2026 को अपराह्न 10.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 11.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 14.04.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **भेलौजी बुजुर्ग** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–

1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **भेलौजी बुजुर्ग** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत सजनी कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा। 14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत सजनी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

सुरेन्द्र
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत–भेजौजी बुजुर्ग
वि.ख. – लोटन बाजार

प्रियंका गोस्वामी
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–भेजौजी बुजुर्ग
वि.ख. – लोटन बाजार

कार्यालय : ग्राम पंचायत- रमवापुर, वि.ख.- लोटन बाजार, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **रमवापुर** विकास खण्ड– लोटन बाजार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/राज्य वित्त/चौदहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि योजनान्तर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों एंव विद्युत उपकरण आदि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांकः 16.04.2026 को अपराह्न 02.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 04.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 15.04.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **रमवापुर** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–

1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **रमवापुर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत सजनी कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा। 14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत सजनी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ज्योत्सना
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत–रमवापुर
वि.ख. – लोटन बाजार

मनोज कुमार
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–रमवापुर
वि.ख. – लोटन बाजार

कार्यालय : ग्राम पंचायत- लकड़ा, वि.ख.- लोटन बाजार, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **लकड़ा** विकास खण्ड– लोटन बाजार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/राज्य वित्त/चौदहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि योजनान्तर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों एंव विद्युत उपकरण आदि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांकः 18.04.2026 को अपराह्न 10.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 12.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 17.04.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **लकड़ा** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–

1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **लकड़ा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत सजनी कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा। 14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तं व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत सजनी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

राधिका देवी
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत–लकड़ा
वि.ख. – लोटन बाजार

ईश्वर देव
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–लकड़ा
वि.ख. – लोटन बाजार

मुंबई यात्रियों को बड़ी राहत : 'यात्री ऐप' से रीयल–टाइम ट्रेन जानकारी अब और सटीक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। मध्य रेल ने 'यात्री ऐप' के साथ अपने सहयोग के विस्तार की घोषणा की है। यह प्लेटफॉर्म मुंबई रेल नेटवर्क के यात्रियों को विश्वसनीय ट्रेन जानकारी उपलब्ध कराने के अपने निरंतर प्रयासों के लिए पहचाना गया है। लगभग 5 वर्ष पूर्व शुरू हुई इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य उपनगरीय रेल यात्रियों को सटीक एवं रीयल–टाइम ट्रेन जानकारी उपलब्ध कराना रहा है। यह सहयोग अप्रैल 2021 में 5 वर्षों की अवधि के लिए प्रदान किए गए टेंडर के माध्यम से औपचारिक रूप से स्थापित किया गया था। इस मजबूत एवं प्रभावी साझेदारी के परिणामस्वरूप अब इसे आगे बढ़ाकर मार्च 2031 तक विस्तारित कर दिया गया है। 'यात्री ऐप' के माध्यम से मध्य रेल को लाइसेंस शुल्क के रूप में प्रतिवर्ष ध्22.05 लाख का राजस्व भी प्राप्त हो रहा है। मुंबई का उपनगरीय रेल नेटवर्क विश्व के सबसे व्यस्त शहरी रेल तंत्रों में से एक है, जो प्रतिदिन लाखों यात्रियों को सेवा प्रदान करता है। मध्य रेल और 'यात्री ऐप' के बीच यह साझेदारी सुनिश्चित करती है कि यात्रियों को लाइव ट्रेन लोकेशन, देरी की सूचना तथा प्लेटफॉर्म अपडेट जैसी सटीक एवं समय पर जानकारी प्राप्त हो सके। इस सहयोग के दौरान 'यात्री ऐप' ने स्थानीय ट्रेनों में स्थापित जीपीएस उपकरणों से प्राप्त लाइव ट्रेन लोकेशन डेटा का उपयोग संभव बनाया है, जिससे प्रतिदिन 25 लाख से अधिक यात्रियों को सहायता मिल रही है। इससे यात्रियों को अपने सफर से संबंधित बेहतर निर्णय लेने में मदद मिली है तथा शहर की बस सेवाओं एवं मुंबई मेट्रो जैसे अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है। यह पहल तकनीक के माध्यम से यात्री सूचना सेवाओं को सुदृढ़ करने के प्रति मध्य रेल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 'यात्री ऐप' जैसे प्लेटफॉर्म को समर्थन देकर मध्य रेल का उद्देश्य यात्रियों को रीयल–टाइम एवं सत्यापित यात्रा जानकारी अधिक सुलभ बनाना है। मध्य रेल यात्री सूचना सेवाओं में सुधार तथा सेवा की विश्वसनीयता बढ़ाने हेतु डिजिटल समाधान अपनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। 'यात्री ऐप' के साथ 2031 तक विस्तारित यह साझेदारी मुंबई के उपनगरीय रेल नेटवर्क को अधिक कुशल, पारदर्शी एवं यात्री–अनुकूल बनाने की दिशा में एक साझा प्रयास को दर्शाती है।

कंबाइन में शॉर्ट सर्किट से लगी आग,60 बीघा गेहूं जला। चालक ने कंबाइन पोखरा में घुसाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

नेपाल/कपिलवस्तु। नेपाल सीमा के कपिलवस्तु जिले के माया देवी गांवपलिका वार्ड नंबर सात के टोला बसंतपुर में गेहूं कटाई के दौरान कंबाइन में किन्हीं कारणों से आग लग गई। रऊवाब तेली,यशोदा मिश्रा,सहित छ लोगों का कुल 60 बीघा खड़ी गेहूं की फसल जल गई। कंबाइन चालक ने देखा कि,कंबाइन जल रही है।फुर्ती दिखाते हुए वह तीन सौ मीटर दूरी पोखरे में जलती हुई कंबाइन को तालाब में लेकर घुस गया। जिसे जलने से बचा लिया। लोगो की भीड़ नजारा देखती रही दमकल ने आग पर काबू पा लिया था कंबाइन मालिक बाले तेली ने जेसीबी,ट्रैक्टर के माध्यम से कंबाइन को बाहर निकलवाया। प्रशासन जाली फसल का आकलन कर रहे थे।

स्कूल चलो अभियान गलियों में गूंजा मम्मी–पापा हमें पढ़ाओ, स्कूल चलकर नाम लिखवाओ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। सिद्धार्थ नगर के नौगढ़ ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पलिया टेकधर में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए श्स्कूल चलो अभियानश का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री गंगा मिश्रा जी(ब्लॉक अध्यक्ष और प्रधान प्रतिनिधि)और खंड शिक्षा अधिकारी श्री राम कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। खंड शिक्षा अधिकारी श्री राम कुमार सिंह ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित न रहे। इस अभियान में 3 साल के बच्चों को भी बालवाटिका के माध्यम से स्कूलों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभियान 1 अप्रैल से शुरू हो रहा है। इस साल 6 से 14 वर्ष के बच्चों के साथ–साथ बालवाटिका के माध्यम से 3 साल के नन्हें बच्चों को भी स्कूलों से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों के श्ड्रॉपआउटश को रोकना है। और संचारी रोग रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग और बाल विकास पुष्टाहार विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया गया है, ताकि बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखने में कोई बाधा न आए। मुख्य अतिथि श्री गंगा मिश्रा जी ने स्पष्ट किया कि परिषदीय विद्यालयों का स्वरूप अब बदल रहा है। श्कायाकल्प योजनाश के तहत स्कूलों को स्मार्ट बनाया गया है। नए नए प्रोजेक्ट्स भी तैयार हो रहे हैं, जिससे इस बार बच्चों का नामांकन बढ़ाने में मदद मिलेगी। ई. प्र.आलोक कुमार शर्मा ने कहा सरकारी स्कूलों में अब स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय,खेल संयंत्र और पीएम श्री जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो अभिभावकों को निजी स्कूलों की बजाय सरकारी स्कूलों की ओर आकर्षित कर रही हैं। अध्यापक पंकज मिश्रा जी ने यह बताया कि दिव्यांग बच्चों सहित हर वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है । इससे पहले सुबह खंड शिक्षा अधिकारी और प्रधान प्रतिनिधि ब्लॉक अध्यक्ष श्री गंगा मिश्रा मिश्रा जी के नेतृत्व में प्रभात फेरी भी निकाली गई। गांव के सम्मानित अभिभावकों ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। उनके लिए नाश्ता आदि की व्यवस्था थीं। अध्यापिका कालिंदी शर्मा,सुमन मिश्रा, अनन्तदीप यादव (आरपी) रामपाल (।त्व)आंगनवाड़ी कार्यकर्ता माया भारती, श्रीदेवी, रामावतार यादव, मनिता देवी, दानशीला, मेवालाल,आदि गांव के सम्मानित लोग मौजूद थे।

हनुमान जन्मोत्सव पर डुमरियागंज में भव्य आयोजन, शोभा यात्रा व भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गुरुवार को द्वारा भगवान हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण कर विधिवत पूजन–अर्चन, आरती एवं जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयघोष से गूंज उठा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य शोभा यात्रा रही, जो गाजे–बाजे, ढोल–नगाड़ों और भक्ति गीतों के साथ निकाली गई। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यात्रा के दौरान श्रद्धालु झांकियों और ध्वजों के साथ भगवान हनुमान के जयकारे लगाते हुए अस्पताल चौराहे से हनुमान मंदिर होते हुए परसा पंडित गेट पहुंचे, जिससे पूरे बाजार का वातावरण धार्मिक उल्लास से भर गया। इसी क्रम में डुमरियागंज के खीरा मंडी में भाजपा जिला महामंत्री मधुसूदन अग्रहरि के नेतृत्व में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में दूर–दराज से आए श्रद्धालुओं सहित स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान लवकुश ओझा, रामकृपाल चौरसिया, कमलेंद्र त्रिपाठी, अतुल मिश्रा, शिवम मिश्रा, गणेश अग्रहरि, सौरभ अग्रहरि, बृजकिशोर चौरसिया, सौरभ चौरसिया, बसंतलाल अग्रहरि, मनीष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

डुमरियागंज क्षेत्र पूर्ण रूप से भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया। जगह–जगह धार्मिक आयोजनों के बीच बेवा अस्पताल चौराहे पर सनातन सेवा महासंघ के तत्वाधान में सुंदरकांड पाठ, भव्य शोभा यात्रा एवं विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर अपनी आस्था प्रकट की। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के साथ किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बजरंगबली की भक्ति से जीवन में शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने क्षेत्र की खुशहाली, समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना भी की। इसके पश्चात सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु भावविभोर होकर भक्ति रस में डूबे रहे। पूरा वातावरण

कपिलवस्तु में रू4.91 करोड़ से 6 सड़कों के निर्माण–लेपन को मंजूरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। क्षेत्र में घ्4 करोड़ 91 लाख 82 हजार की लागत से छह सड़कों के निर्माण एवं लेपन कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसे विकास की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही ने इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि इससे क्षेत्र की जनता को आवागमन में राहत मिलेगी। स्वीकृत कार्यों में लोटन ब्लॉक के ऐकडेगवा पीडब्ल्यूडी रोड से बरगदवा धरनिहवा प्राथमिक विद्यालय तक, करूआवल से लोधडीह तक, नेतवर से ऐकडेगवा मार्ग पर श्रीराम के घर से सियाराम के बाग तक लेपन कार्य शामिल हैं। साथ ही सियराराम पुल से छितरापार, चुरिहारी कुआहाटा मार्ग से महुलानी गांव और तुरकौलिया से लोहरौली तक सड़कों का निर्माण/लेपन कराया जाएगा। विधायक ने कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था मजबूत होगी और व्यापार, शिक्षा व रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

सिर्फ विभागीय नियमों के बंधनों से मुक्ति का नाम है सेवानिवृत्ति : शैलेश कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। शिक्षकों की सेवानिवृत्ति, मात्र शासकीय और विभागीय नियमों से मुक्ति का नाम है। वास्तव में शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता। वह सदैव अपने ज्ञान, संस्कार, आचरण और अनुभव से सभ्य समाज और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देता है, इसलिए शिक्षक को राष्ट्र निर्माता और मार्गदर्शक कहा जाता है। उपरोक्त आशय का विचार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने ब्लॉक संसाधन केन्द्र बर्डपुर के सभागार में प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक/महिला शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई बर्डपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए व्यक्त किया। विशिष्ठ अतिथि वित्त एवं लेखाधिकारी अभिनय कुमार सिंह ने कहा कि सभी शिक्षक अपने पदीय दायित्वों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करें, क्योंकि शिक्षकों के ऊपर सभ्य समाज और राष्ट्र निर्माण की अहम जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी शिक्षकों को आश्वस्त किया कि वेतन बकाया आदि वित्तीय समस्याओं की चिंताओं से मुक्त होकर पूरे मनोयोग से दायित्वों का निर्वहन करें। शासन के मंशानुरूप पूरे पारदर्शिता के साथ सभी शिक्षकों के वित्तीय समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। जीपीएफ लेजर और पासबुक की समस्या का भी समाधान शीघ्र ही कर दिया जाएगा, फिर जिले में किसी भी शिक्षक का कोई वित्तीय समस्या नहीं रह जाएगा। बतौर मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार एवं विशिष्ट अतिथि वित्त एवं लेखाधिकारी अभिनय कुमार सिंह ने सेवानिवृत्त होने वाले प्राथमिक विद्यालय पिपरी से प्रधानाध्यापक शमशुलहक, पिछौरा से जग्गल प्रसाद, कंपोजिट विद्यालय झंगटी से प्रधानाध्यापक कृष्णानंद, अहिरौली से भारत प्रसाद को फूल माला पहनाकर एवं बैज अलंकरण के पश्चात शॉल, संपूर्ण अंगवस्त्र, धार्मिक ग्रंथ, पेन, डायरी आदि भेंट कर सम्मानित किया तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घ आयु की कामना के साथ ससम्मान सेवानिवृत्त होने पर बधाई दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षक अधिकारी शैलेश कुमार, विशिष्ट अतिथि वित्त एवं लेखाधिकारी अभिनय कुमार सिंह तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी रामू प्रसाद को, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री एवं ब्लॉक अध्यक्ष कलीमुल्लाह और प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने फूलमाला पहनाकर बैज अलंकरण करने के पश्चात, शॉल तथा मोमेंटो के रूप में प्राकृतिक पुष्प के पौधे सहित बुद्ध की प्रतिमा, भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर के बालिकाओं द्वारा सरस्वती बंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुति प्रशंसनीय रही। उक्त समारोह का सफल आयोजन एवं संचालन, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री एवं ब्लॉक अध्यक्ष कलीमुल्लाह ने किया। तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी रामू प्रसाद, प्राथमिक शिक्षक संघ बर्डपुर के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने आए हुए सभी अतिथियों एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सबको धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान राजकीय इण्टर कॉलेज दुल्हा शुमाली के प्रधानाचार्य अजय कुमार श्रीवास्तव, जिला समन्वयक अमित कुमार शुक्ला, अभिनव श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, इश्तियाक अहमद, दुर्गेश आजाद, अब्दुल अज़ीज़, महेश कुमार, हीरामणि, केशव प्रसाद मिश्र, राम सेवक, जुबैर अहमद उस्मानी, सालिक राम चौधरी, सेराज अहमद, शमशुल हक, पंकज यादव, फौजिया नाज़, नगमा बानो, कामिनी गुप्ता, ममता श्रीवास्तव, आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

फर्जी जमीन विक्रय मामले में राजस्व निरीक्षक निलंबित, जांच तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में फर्जी तरीके से जमीन विक्रय कराने के मामले में कार्रवाई करते हुए तत्कालीन लेखपाल एवं वर्तमान राजस्व निरीक्षक अब्दुल गफ्फार को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) की जांच आख्या के आधार पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिविल लाइन्स निवासी श्रीमती आरती वर्मा की शिकायत पर की गई जांच में पाया गया कि गाटा संख्या 367 स्थित भूमि, जो घनश्याम पुत्र छोटेलाल की नहीं थी, उसके फर्जी विक्रय में संबंधित अधिकारी की भूमिका संदिग्ध रही। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर अब्दुल गफ्फार के खिलाफ यह कदम उठाया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि भत्तों का भुगतान तभी किया जाएगा जब संबंधित कर्मचारी यह प्रमाणित करेंगे कि वे किसी अन्य रोजगार या व्यवसाय में संलग्न नहीं हैं। मामले की विस्तृत जांच के लिए उपजिलाधिकारी बांसी को जांच अधिकारी नामित किया गया है। उन्हें निर्देश दिया गया है कि आरोप पत्र तैयार कर एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करें। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि प्रकरण में नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण की समीक्षा, 10 अप्रैल तक त्रुटिरहित प्रकाशन के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

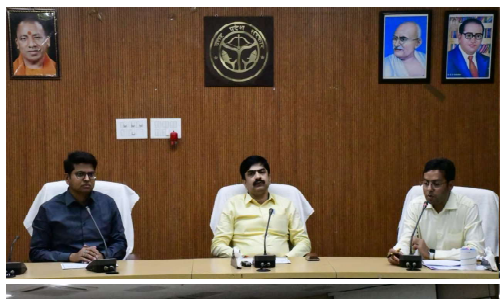

सिद्धार्थनगर। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अखिलेश सिंह (मण्डलायुक्त बस्ती/रोल प्रेक्षक) ने की। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा वार मतदाता सूची की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। उनके अनुसार विधानसभा 302–शोहरतगढ़ में 3,12,773, 303–कपिलवस्तु में 3,94,963, 304–बांसी में 3,21,722, 305–इटवा में 2,99,606 तथा 306–डुमरियागंज में 3,51,491 मतदाता दर्ज हैं। जनपद का जेंडर रेशियो 806 तथा ईपिक रेशियो 50.02 बताया गया। रोल प्रेक्षक ने पुनरीक्षण कार्य की प्रगति व गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि कम जेंडर रेशियो वाले बूथों को चिन्हित कर उनकी क्रॉस चेकिंग की जाए, ताकि वास्तविक जनसंख्या और मतदाता सूची के आंकड़ों में सामंजस्य सुनिश्चित हो सके। साथ ही फार्म–6, 7 व 8 के आधार पर नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, अपात्र मतदाताओं को हटाने और त्रुटियों के संशोधन कार्यों की गहन समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी ईआरओ/एईआरओ को निर्देशित किया कि अंतिम प्रकाशन से पहले सभी स्तरों पर बार–बार जांच कर लें, जिससे 10 अप्रैल 2026 को मतदाता सूची का प्रकाशन पूरी तरह त्रुटिरहित हो सके। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने और गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

गेहूं क्रय केंद्र पर डीएम का औचक निरीक्षण, कम खरीद पर जताई नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने राजकीय गेहूं क्रय केंद्र नौगढ़ का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों के पंजीकरण, तौल व्यवस्था, भुगतान प्रक्रिया एवं अभिलेखों के संधारण की गहनता से जांच की। क्रय केंद्र पर अपेक्षाकृत कम खरीद पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और जिला खाद्य विपणन अधिकारी को केंद्र प्रभारी से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारू एवं समयबद्ध तरीके से संचालित करने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों से संपर्क बढ़ाकर गेहूं खरीद में तेजी लाई जाए। उन्होंने केंद्रों पर साफ–सफाई, पेयजल, छाया और बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही ई–तौल मशीनों के सही उपयोग और तौल में पूर्ण पारदर्शिता बरतने के निर्देश भी दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गेहूं के सुरक्षित भंडारण और समय पर उठान सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान जिला खाद्य विपणन अधिकारी रमेश कुमार श्रीवास्तव, मंडी सचिव नौगढ़ सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

धैर्य खोती पीढ़ी की घातक आक्रामकता

दरअसल, हमारे समाज में संयुक्त परिवारों का बिखराव होने से बच्चों की संवेदनशील ढंग से परवरिश का न हो पाना भी युवाओं में बढ़ती आक्रामकता की वजह बन रहा है। पहले स्कूलों में शिक्षकों का दबदबा होता था और छात्र जीवन में अनुशासन का पाठ सीखते थे। मां–बाप के लाड़–प्यार और बच्चों को स्वच्छंद व्यवहार की आजादी ने उन्हें उच्छृंखल बनाया है। एकल परिवारों में पलने ...

पिछले दिनों वाराणसी में मोबाइल चोरी के संदेह में एक किशोर की पीट–पीट कर हत्या करने की हृदयविदारक घटना सामने आई। घटना कानून व्यवस्था पर तो सवाल है ही, साथ ही भीड़ की बर्बरता की कहानी भी कहती है। क्या एक बच्चे की जिंदगी मोबाइल से सस्ती है? सवाल समाज की बढ़ती आक्रामकता पर भी है। एक ओर हम समाज में कानून का शासन चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर कानून हाथ में लेकर किसी की भी जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। निस्संदेह, यदि किसी व्यक्ति की अपराध में शामिल होने की आशंका भी है तो उसे पुलिस को सौंपा जाना चाहिए। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अराजक तरीके से मार–पीटकर किसी की हत्या कर देने का अधिकार भीड़ को कैसे मिल सकता है? सवाल ऐसी घटनाओं पर शेष समाज की उदासीनता का भी है। जब उस किशोर को पीटा जा रहा था तो आसपास से गुजरने वाले लोग क्यों उसे बचाने नहीं आए? हाल के दिनों में महज शक के आधार पर लोगों को मौत के घाट उतारने व घायल करने की घटनाएं आम हो गई हैं। यह हमारे समाज के लिये भी चिंता का विषय है क्योंकि निहित स्वार्थी तत्व अकसर निर्दोष लोगों को जाति व संप्रदाय के नाम पर अपने बहुलता वाले इलाके में शिकार बना लेते हैं। प्रश्न यह भी है कि इस तरह की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकारों की तरफ से जमीनी स्तर पर कारगर कदम उठाने की पहल क्यों नहीं होती? जाहिर बात है कि व्यक्ति विशेष को शक के आधार पर निशाना बनाने वाले लोगों में कानून का डर न के बराबर ही होता है। साथ ही आसपास के लोगों का महज तमाशबीन बना रहना भी भीड़ के अराजक व्यवहार को बढ़ावा देता है। वाराणसी की घटना में जिस तरह किशोर को घर से बुलाकर सड़क पर पीटा गया और लोग खामोश रहे, परेशान करने वाला घटनाक्रम ही है। निश्चित रूप से भीड़ द्वारा संदेह के आधार पर किसी की हत्या करना, किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक जैसा है। ऐसे मामलों में पुलिस को भी अपना सूचना तंत्र मजबूत करने और संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करने की जरूरत है। खासकर उस क्षेत्र के थाने की पुलिस व अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। हमारे समाज में संदेह के आधार पर किसी की जान लेने की प्रवृत्ति जिस तेजी से बढ़ रही है, वह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। आये दिन हम सड़कों पर रोड रेज की घटनाएं सुनते और देखते हैं। सड़क में आगे निकलने की होड़ में गोली चलाने और हिंसक प्रतिरोध की घटनाएं अकसर सामने आती हैं। पिछले दिनों देहरादून में आगे निकलने की होड़ में दो कारों में सवार लोगों की गोलीबारी में सड़क पर सैर कर रहे सेना के एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर की हत्या की घटना उत्तराखंड में व्यापक जनाक्रोश का विषय बनी। ऐसी घटनाएं इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि नई पीढ़ी के लोग अपना धैर्य, विवेक तथा संवेदनशीलता खोते जा रहे हैं। ये हमारे मानवीय मूल्यों व संवेदना का भी क्षरण है। दरअसल, हमारे समाज में संयुक्त परिवारों का बिखराव होने से बच्चों की संवेदनशील ढंग से परवरिश का न हो पाना भी युवाओं में बढ़ती आक्रामकता की वजह बन रहा है। पहले स्कूलों में शिक्षकों का दबदबा होता था और छात्र जीवन में अनुशासन का पाठ सीखते थे। मां–बाप के लाड़–प्यार और बच्चों को स्वच्छंद व्यवहार की आजादी ने उन्हें उच्छृंखल बनाया है। एकल परिवारों में पलने वाले अकेले बच्चों में दूसरों को आसानी से सहन न करने की प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर समाज में लगातार जटिल होता जीवन भी उग्रता को बढ़ावा दे रहा है। नशा भी नाश का कारक बन रहा है। सूचना माध्यमों में बाजार द्वारा दर्शाए जा रहे विलासिता व भव्यता के सपने देखकर जब नई पीढ़ी कठोर यथार्थ से जूझती है तो हताशा के चलते उसमें आक्रोश के स्वर मुखर होते हैं। सिमटते रोजगार व मनमाफिक अवसर न मिलने की कुंठा भी उन्हें आक्रामक बना रही है। आज इन सभी कारकों को तुरंत संबोधित करने की जरूरत है।

टेट था ही नहीं तो पुराने शिक्षकों पर लागू कैसे होगा

शिक्षा के क्षेत्र में जब कोई नया नियम या पात्रता परीक्षा जैसे टेटलागू की जाती है, तो उसे लेकर अक्सर यह भ्रम रहता है कि पुराने शिक्षकों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। दरअसल कानून का एक सामान्य सिद्धांत है कि कोई भी नया नियम आमतौर पर भविष्यलक्षी होता है। इसका अर्थ है कि नए शिक्षकों के लिए टेट लागू होने की तिथि के बाद होने वाली सभी नियुक्तियों के लिए यह अनिवार्य है। अब बात आती है पुराने शिक्षकों के लिए टेट अनिवार्यता की।जो शिक्षक टेट नियम आने से पहले ही सेवा में आ चुके थे, उन पर यह ष्अनिवार्यताष उसी रूप में लागू नहीं होती जैसी नए अभ्यर्थियों पर होती है। उन्हें अपनी नौकरी बचाने के लिए फिर से परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं होती क्योंकि उनकी नियुक्ति तत्कालीन नियमों के अनुसार वैध थी। आर टी ई एक्ट, 2009 और एन सी ई टी की भूमिका को देखा जाए।भारत में टेट की शुरुआत निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम आर टी ई , 2009 के तहत हुई। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने 23 अगस्त 2010 को अधिसूचना जारी कर इसे अनिवार्य बनाया। नियम में स्पष्ट किया गया था कि जो शिक्षक पहले से नियुक्त हैं, उन्हें ष्न्यूनतम योग्यताष प्राप्त करने के लिए एक निश्चित समय सीमा (जैसे 5 वर्ष) दी जाएगी, लेकिन यह मुख्य रूप से उन लोगों के लिए था जिनके पास पेशेवर डिग्री, जैसे बी एड या बी टी सी नहीं थी। वेतन वृद्धि और पदोन्नति को देखें। यद्यपि पुराने शिक्षकों की सेवा सुरक्षित रहती है, लेकिन कई बार सरकारें पदोन्नति के लिए नए मानक तय कर देती हैं। यदि किसी पुराने शिक्षक को पदोन्नत होकर उच्च प्राथमिक विद्यालय में जाना है, तो कुछ राज्यों में वहां के लिए टेट अनिवार्य कर दिया गया है। यहाँ तर्क यह दिया जाता है कि पदोन्नति एक नई नियुक्ति की तरह है, इसलिए वर्तमान नियम लागू होंगे। जब कि नियुक्ति के समय ही पदोन्नति के अवसर समाविष्ट होते हैं। गुणवत्ता मानक का तर्क जानें। न्यायालयों ने कई बार अपने निर्णयों में कहा है कि शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सरकार समय–समय पर योग्यता के मानक बदल सकती है। लेकिन, ष्जब टेट था ही नहींष वाले मामले में, उन शिक्षकों को श्इन–सर्विसश माना जाता है और उन्हें सेवा से बाहर नहीं किया जा सकता। ध्यातव्य है कि जो नियम पहले अस्तित्व में नहीं था, वह आपकी पुरानी नियुक्ति को अवैध नहीं बना सकता। वह केवल नई भर्ती या कभी–कभी पदोन्नति की प्रक्रिया को ही प्रभावित करता है। हालांकि शिक्षकों की पदोन्नति भी नियुक्ति के समय विज्ञप्ति अर्हताओं, दक्षताओं पर होनी चाहिए।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

संवेदनशीलता और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत

इनकी सफलता दर्शाती है कि अश्वटिज्मग्रस्त लोग किसी से कम नहीं, अपनी विशिष्ट रुचियों व क्षमताओं का सही उपयोग करके वे समाज में अहम योगदान दे सकते हैं। अश्वटिज्म पीड़ितों के लिए शीघ्र निदान तथा विकासात्मक सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है। वहीं स्वास्थ्य प्रणालियों को ऑटिज्म के प्रति प्रतिक्रियात्मक बनाने के लिए समावेशी–सुलभ स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की जरूरत है। ऑटिज्म वास्तव में, कोई ...

ऑटिज्म की समस्या से पीड़ित के जीवन का हर पहलू प्रभावित होता है। दूसरों की बात समझना व खुद की कहना चुनौतीपूर्ण होता है। इनके लिए शीघ्र निदान तथा विकासात्मक सहयोग अहम है। वहीं संवेदनशील समावेशी–सुलभ हेल्थ केयर सेवाओं की जरूरत है। ऑटिज्म' नामक डिसऑर्डर दुनियाभर में तेजी से फैल रहा है। 'द लैंसेट' पत्रिका में प्रकाशित 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2021' पर आधारित अध्ययन के अनुमानों के अनुसार, 61.8 मिलियन यानी 6 करोड़ 18 लाख लोग इस समस्या से पीड़ित पाए गए। इसमें महिलाएं, पुरुष तथा बच्चे सभी शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक, विश्व का हर 127वां व्यक्ति ऑटिस्टिक है। खासकर वर्ष 2000 के बाद से ऑटिज्म के मामलों में 178 प्रतिशत वृद्धि देखी गई। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में इसका प्रसार अधिक है। प्रति एक लाख पुरुषों पर ऑटिज्म के 1,065 केस सामने आए, जबकि महिलाओं में यह संख्या 508 है।

'ऑटिज्म' यानी ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) से अभिप्राय एक आजीवन न्यूरो–डेवलपमेंटल स्थिति है, जो सामाजिक व्यवहार तथा संचार के तरीकों को काफी हद तक प्रभावित करती है। इससे पीड़ित लोग न तो दूसरों की बात ठीक से समझ पाते हैं, न ही खुद को अभिव्यक्त कर पाते हैं। अध्ययन के दौरान ऑटिज्म के बारे में कई तथ्य उजागर हुए, जिसके नतीजे अंतर्राष्ट्रीय जर्नल लैंसेट साइकियाट्री में प्रकाशित किए गए। शोधकर्ताओं के मुताबिक, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम

डिसऑर्डर 20 वर्ष से कम आयु के बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य से जुड़ी 10 सबसे गैर–घातक में चुनौतियों में से एक है। इसके बावजूद यह समस्या जीवन के हर पहलू पर असर डालती है। ऑटिज्म से प्रभावित होने में कोई अकेला कारक उत्तरदायी नहीं माना जा सकता। यद्यपि मुख्य रूप से यह आनुवंशिक कारणों तथा मस्तिष्क के विकास में अंतर से संबद्ध है फिर भी आहार, व्यायाम, निद्रा, तनाव, अवसाद, प्राकृतिक वातावरण एवं जीवनशैली जैसे अनेक कारक इसमें प्रभावी भूमिका निभाते हैं। गर्भावस्था के दौरान संक्रमण या तनाव होना, माता द्वारा कुछ दवाओं का सेवन, समय–पूर्व अथवा सामान्य आकार से छोटे बच्चे का जन्म होना, पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आना आदि ऑटिज्म के जोखिम कारक हो सकते हैं। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, अधिक आयु में गर्भाधारण करना भी बच्चे के ऑटिस्टिक होने का कारण बन सकता है। एएसडी ग्रस्त बच्चे के छोटे जैविक भाई–बहन में ऑटिज्म का खतरा 3–10 प्रतिशत अधिक पाया गया। विशेषकर जुड़वां बच्चों में यह दर ज़्यादा रही। चिकित्सकों के अनुसार, गर्भस्थ शिशु के ऑटिज्मग्रस्त होने का पता लगाना संभव नहीं, चूंकि इसके लक्षण जन्म उपरांत ही प्रकट होते हैं। आमतौर पर 12–18 माह की आयु में या इससे पूर्व ही इन्हें देखा जा सकता है। ये सामान्य से लेकर गंभीर हो सकते हैं। अधिकतर मामलों में यह स्थिति जीवनपर्यन्त बनी रहती है। नवजात शिशु की दैनिक क्रियाएं स्वयं ही इस संदर्भ में विभिन्न तरह के संकेत देती नजर आती हैं, जैसे– दूसरों की भावनाएं समझने में कठिनाई, अकेले रहना, देरी से बोलना–बिल्कुल न बोलना अथवा एक ही शब्द बारंबार दोहराना, परिवर्तन के प्रति असामान्य प्रतिक्रिया, हाथ फड़फड़ाना, तेज आवाज, लाइट या विशिष्ट बनावट, गंध के प्रति बेहद संवेदनशील होना, वस्तु विशेष की ओर बार–बार इशारा करना, मां की आवाज अनसुनी करना, अधिकतर हाथों के बल चलकर दूसरों के पास जाना, आई कॉन्टैक्ट न बनाना आदि। एक स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर होने के चलते ऑटिज्म के लक्षण भिन्न–भिन्न होते हैं, जिसके तहत प्रभावित लोगों को न्यूनतम से लेकर आंशिक या 24 घंटे तक की देखभाल की जरूरत हो सकती है। ऑटिज्म का निदान अमूमन 18–24 माह के व्यावहारिक अवलोकनों के जरिये ही किया जाता है। हालांकि, इसका समुचित इलाज उपलब्ध नहीं किंतु प्रारंभिक काल में ही स्पीच थेरेपी, व्यवहार थेरेपी (जैसे एबीए), ऑक्यूपेशनल थेरेपी आदि देने से जीवन में काफी हद तक सुधार आ सकता है। हर ऑटिस्टिक व्यक्ति अपने आप में अलग होता है, अतः उनके सीखने, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, संवेदनशीलता तथा दोहरावदार व्यवहार जैसे लक्षणों में विरोधाभास होना भी स्वाभाविक है। कुछेक ऑटिस्टिक व्यक्तियों में विलक्षण प्रतिभाएं भी देखने को मिलेंगी, ऐसे लोग अपनी रचनात्मकता के बल पर समूचे जगत को अचंभित करने का सामर्थ्य रखते हैं। शोधकर्ताओं की मानें तो इतिहास की अनेक नामचीन हस्तियों (अनुमानित, विस्तारित स्पेक्ट्रम) में ऑटिज्म के लक्षण पाए गए। इन प्रतिभाओं में भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन, गणितज्ञ तथा भौतिक विज्ञानी आइजैक न्यूटन, प्रसिद्ध आविष्कारक निकोला टेस्ला, संगीतकार वोल्फगैंग एमाडेउस मोजार्ट आदि का नाम प्रमुख तौर पर लिया जा सकता है। भारत के पहले विख्यात ऑटिस्टिक फैशन मॉडल, जिन्होंने स्टीरियोटाइप को तोड़कर मॉडलिंग के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय पहचान बनाई, का नाम भी इसी सूची में शामिल है।

नई सोच रोकेगी मनुष्यता के खिलाफ अपराध

संविधान में समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के चार स्तंभों पर एक मानवीय समाज की संरचना को आकार दिया गया है। अम्बेडकर ने जल–सत्याग्रह के माध्यम से समानता की लड़ाई को नया आयाम दिया था। चावदार तालाब के इस सत्याग्रह के तीन साल बाद उन्होंने नासिक के कालाराम मंदिर में दलितों की समानता की लड़ाई का एक और मोर्चा खोला था। यहां विवाद दलितों के मंदिर प्रवेश के ...

महाड के जल–सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष है यह। वह सत्याग्रह वस्तुतः मानव–समाज की समानता के लिए एक नए संघर्ष की शुरुआत थी। यह संघर्ष तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक कानून या संविधान में दिये गये अधिकारों को सामाजिक स्तर पर पूरी मान्यता नहीं मिल जाती। स्वतंत्रता सेनानी और अस्पृश्य समझे जाने वाले वर्ग के नेता बाबू जगजीवन राम को बचपन में स्कूल में इसलिए सजा मिली थी कि उन्होंने उस मटके से पानी पी लिया था जो स्कूल के सवर्ण अध्यापकों के लिए रखा गया था। यह बात तब की है जब हम गुलाम थे। पर ऐसे ही 'अपराध' के लिए स्वतंत्र भारत में भी नौ साल के एक दलित बच्चे को भी सजा मिली थीदृ राजस्थान के जालौर के एक स्कूल में उन बच्चों से भी अनजाने में ही अध्यापकों के मटके से पानी पीने का 'अपराध' हो गया था। यह घटना हमारी आजादी की 75वीं सालगिरह के दिन घटी थी। दोनों ही घटनाओं में लगभग एक सदी की दूरी है। सदियों से दलितों के साथ इस तरह के अत्याचार होते आ रहे हैं। उम्मीद थी कि स्वतंत्र भारत में हमारी समाज व्यवस्था के माथे से यह कलंक मिट जायेगा। पर आज भी, यानी इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में इस आशय के समाचार मिल जाते हैं कि फलां गांव में या फलां कस्बे में दलित समाज के किसी व्यक्ति को इसलिए सजा भुगतान पड़ी कि उसने घोड़े पर बैठकर दूल्हा बनने का दुस्साहस किया था! आजादी प्राप्त करने के बाद जब हमने अपना संविधान बनाया तो उसमें यह स्पष्ट व्यवस्था की थी कि स्वतंत्र भारत में किसी भी नागरिक को अस्पृश्यता जैसे अभिशाप को झेलना न पड़े। एक लंबे संघर्ष के बाद यह स्थिति आयी थी, पर अभी भी अस्पृश्यता के अभिशाप से हम मुक्त नहीं हो पाये। सौ साल पहले बाबासाहेब अम्बेडकर ने महाराष्ट्र के महाड में अगड़ों के लिए आरक्षित समझे जाने

वाले एक तालाब से पानी पीने के अधिकार का संघर्ष शुरू किया था। उस तालाब में जानवर तो पानी पी सकते थे, पर अस्पृश्य समझे जाने वाले दलित को यह अधिकार नहीं था। ऊंची समझी जाने वाली जातियों के लोग यह मानते थे कि दलितों के छूने से वह भी अपवित्र हो जायेंगे। पता नहीं यह धारणा कब से चली आ रही है, पर यह एक शर्मनाक सच्चाई है कि हमारे देश में आज भी छुआछूत से हमारा पीछा नहीं छूट पाया। शहरी भारत में भले ही माथे पर यह कलंक न दिखता हो, पर ग्रामीण भारत आज भी जैसे इस त्रास को भोगने के लिए शापित है। यहां यह याद रखना जरूरी है कि लगभग अस्सी प्रतिशत भारत गांवों में बसता है! सन् 1950 में हमने अपने संविधान में अस्पृश्यता पर प्रतिबंध लगाने की व्यवस्था की थी। हमारा संविधान कहता है, 'सरकार धर्म, जाति, जन्म आदि के आधार पर किसी नागरिक से भेदभाव नहीं करेगी'। लगता है, भेदभाव करने वालों ने मान लिया है कि यह व्यवस्था सरकार के लिए है, समाज के लिए नहीं! सौ साल पहले डाक्टर भीमराव अम्बेडकर ने समाज को यह अहसास कराने की कोशिश की थी। सौ साल पहले 20 मार्च, 1927 को महाराष्ट्र के एक तालाब के पानी को न केवल दलितों ने छुआ, बल्कि उस तालाब का पानी पिया भी। वस्तुतः यह मनुष्यता की रक्षा के लिए किये जाने वाले एक संघर्ष की शुरुआत थी। यह सौवां वर्ष है इस संघर्ष काकृ और संघर्ष आज भी जारी है। हम इस बात पर तो गर्व कर सकते हैं कि सौ साल पहले ऐसा कोई संघर्ष प्रारंभ हुआ था, पर देखा जाये तो यह शर्म की ही बात है कि अब तक इस संघर्ष में पूरी विजय नहीं मिल पायी। पर इस असफलता से संघर्ष की महत्ता कम नहीं हो जाती। जरूरी है कि महाड में शुरू किये गये इस जल–सत्याग्रह की महत्ता को समझा जाये, इस संघर्ष को तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाये। उस दिन अम्बेडकर के नेतृत्व में लगभग ढाई हजार दलितों ने महाड के चौदार तालाब के पवित्र समझे जाने वाले जल को अंजलि में भरकर एक नई आजादी के संघर्ष की शुरुआत की थी। यह संघर्ष इस सिद्धांत को स्वीकारने के लिए भी था कि जल, जंगल और हवा प्रकृति ने हर प्राणी के लिए दिये हैं, किसी जन्म या किसी धर्म के नाम पर इनका बंटवारा नहीं हो सकता। किसी भी आधार पर प्रकृति के इन अवदानों पर कोई अपना अधिकार नहीं जता सकता। पर इस बात को सवर्ण समझे जाने वाले समाज ने आसानी से स्वीकार नहीं किया। महाड सत्याग्रह से नाराज सवर्णों ने न केवल तालाब का 'शुद्धीकरण' किया, बल्कि सत्याग्रहियों को मारा–पीटा भी गया था। वे मामले को अदालत में भी लेकर पहुंचे। दस साल लगे न्यायालय को पानी पर सबके अधिकार का फैसला सुनाने में। और यह भी हकीकत है कि आज भी देश का एक बहुत बड़ा तबका मन से यह मानने को तैयार नहीं है कि दलितों को अस्पृश्य मानना मनुष्यता के खिलाफ एक अपराध है। सदियों से चले आ रहे इस अपराध का प्रायश्चित होना ही चाहिए। यह अपराध–बोध ही समता के इस संघर्ष को किसी तार्किक परिणति तक पहुंचा सकता है। महाड के जल–सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष है यह। वह सत्याग्रह वस्तुतः मानव–समाज की समानता के लिए एक नए संघर्ष की शुरुआत थी। यह संघर्ष तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक कानून या संविधान में दिये गये अधिकारों को सामाजिक स्तर पर पूरी मान्यता नहीं मिल जाती। इस मान्यता को मिलने का मतलब है इस सत्य को स्वीकार करना कि किसी भी आधार पर मनुष्य और मनुष्य के बीच खाई नहीं होनी चाहिए।

लापरवाह अस्पतालों पर है स्वास्थ्य विभाग की कड़ी नजर

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बीते दिनों शोहरतगढ़ क्षेत्र के पांच निजी अस्पतालों और एक डायग्नोस्टिक सेंटर पर औचक निरीक्षण किया। इस कार्रवाई से अवैध व मानक विहीन चिकित्सा संस्थान संचालकों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान कहीं चिकित्सक अनुपस्थित मिले तो कहीं आवश्यक संसाधनों का अभाव पाया गया। खामियां मिलने पर संबंधित संस्थानों को नोटिस जारी कर सुधार के निर्देश दिए गए। क्षय रोग विशेषज्ञ डा. मानवेंद्र पाल के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम ने सबसे पहले एपेक्स डायग्नोस्टिक सेंटर की जांच की। यहां पंजीकरण जिस चिकित्सक के नाम पर था, वह मौके पर उपस्थित नहीं मिले। साथ ही अन्य तकनीकी कमियां

भी पाई गईं, जिस पर टीम ने नोटिस जारी किया। वहीं, बुधवार की साप्ताहिक बंदी के कारण अशरफ मेमोरियल अस्पताल और अंसारी अस्पताल बंद मिले, जिससे वहां निरीक्षण नहीं हो सका। जांच के दौरान टीम को नवजीवन अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन संचालित होने की सूचना मिली थी, लेकिन तलाशी के दौरान मौके पर कोई मशीन नहीं मिली। इसके बाद टीम जीपीएम अस्पताल पहुंची, जहां कुछ खामियां पाए जाने पर संचालक को सुधार के निर्देश दिए गए। वहीं, सुनीता जायसवाल अस्पताल के निरीक्षण में मानक पूरे पाए गए। जांच टीम में डा. मानवेंद्र पाल के साथ पटल सहायक रोहित वर्मा और ऑपरेटर माधव शामिल रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मरीजों की सेहत से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

एडीएम की अध्यक्षता में प्व्ज कर्मयोगी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन/प्रशिक्षण एवं साधना सप्ताह की कार्य योजना आदि से संबंधित बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) जयप्रकाश की अध्यक्षता में जनपद के समस्त विभागों के शत–प्रतिशत अधिकारियों/कर्मचारियों का प्व्ज कर्मयोगी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन व प्रशिक्षण प्राप्त कर निर्धारित कोर्स को पूर्ण करने व सर्टिफिकेट प्राप्त करने व मिशन कर्मयोगी अंतर्गत दिनांक 02 अप्रैल से 08 अप्रैल तक साधना सप्ताह का आयोजन किए जाने से संबंधित बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी व जिला विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश त्रिपाठी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर राकेश सिंह द्वारा प्व्ज कर्मयोगी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया, लॉगिन करने की प्रक्रिया से लेकर कोर्सेस का चयन एवं प्रशिक्षण कंप्लीट कर सर्टिफिकेट प्राप्त करने की संपूर्ण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने पोर्टल पर उपलब्ध कोर्सेज सहित

समस्त तकनीकी बिंदुओं के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से प्व्ज कर्मयोगी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अथवा मार्केटप्लेस से संबंधित उपलब्ध पाठ्यक्रमों में से कम से कम तीन पाठ्यक्रमों को पूर्ण कर सर्टिफिकेट प्राप्त करना है। उन्होंने जनपद के समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि स्वयं और अपने अधीनस्थ समस्त कर्मचारियों का रजिस्ट्रेशन करवाते हुए आवश्यकतानुसार उनकी मदद कर कोर्स को पूर्ण करा कर उन्हें सर्टिफिकेट प्राप्त करवाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि सभी विभागों के समस्त स्थाई एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को प्व्ज कर्मयोगी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करते हुए कम से कम तीन कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर सर्टिफिकेट प्राप्त करना अनिवार्य है। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग (ब्ंचंबपजल) ठनपसकपदह ब्वउउपेपवद) द्वारा मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत साधना सप्ताह दिनांक 02 अप्रैल से 08 अप्रैल, 2026 तक आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। साधना सप्ताह के दौरान निर्धारित कोर्सेज में से कम से कम तीन कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर सर्टिफिकेट अवश्य प्राप्त कर लें। विभागीय अधिकारीगण इसकी कार्य योजना बनाकर अपने शत–प्रतिशत कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर दें। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी विभागों द्वारा अपने अधीनस्थ सभी अधिकारियों/कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कराई जाए तथा उन्हें प्व्ज कर्मयोगी पोर्टल पर इस साधना सप्ताह के अंतर्गत कम से कम चार घंटे का भूमिका–आधारित अधिगम (त्वसम–ंसपहदमक स्मंतदपदह) को पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (।ए) एवं पळव्ज मार्केटप्लेस से संबंधित पाठ्यक्रमों पर ध्यान दिया जाना अपेक्षित है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी खलीलाबाद अरुण कुमार, उप जिलाधिकारी मेहदावल संजीव राय, उप जिलाधिकारी धनघटा डॉ0 सुनील कुमार, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) धनघटा हृदय राम तिवारी, अपर उप जिलाधिकारी सुधीर कुमार, तहसीलदार धनघटा राम जी, तहसीलदार मेहदावल अल्पिका वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी राजीव कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार, समाज कल्याण अधिकारी महेंद्र कुमार, सहायक आयुक्त खाद एवं सुरक्षा सतीश कुमार, एसडीओ विद्युत के एन शुक्ला, सीडीपीओ मेहदावल गरिमा पांडेय, खंड विकास अधिकारीगण, अधिशाषी अधिकारीगण, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत बगुलहवा प्रा.वि. में निकली जागरूकता रैली

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बगुलहवा में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'स्कूल चलो अभियान' के तहत भव्य रैली निकाली गई। रैली में विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने गांव की गलियों में घूम–घूमकर लोगों को अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया। रैली के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक नारे लगाए। "हर बच्चा स्कूल जाएगा, देश का भविष्य बन जाएगा", "आओ मिलकर कदम बढ़ाएं, बच्चों को स्कूल पहुंचाएं" और "शिक्षा है सबसे बड़ा धन, इससे रोशन हो जीवन"। रैली के माध्यम से पूरे गांव में शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ। रैली के पश्चात विद्यालय परिसर में शैक्षिक संगोष्ठी, वार्षिकोत्सव एवं परीक्षा फल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक विनोद कुमार सिंह, एसएमसी अध्यक्ष निसार अहमद चौधरी, शिक्षक संजय कुमार एवं तौफीक अहमद उपस्थित रहे। साथ ही अभिभावकों की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिनमें राम निवास, बेचन राम, बिलाल अहमद, सकीरा, साहिदा एवं ज्योति शामिल रहे। इस अवसर पर विद्यालय के 17 छात्र–छात्राओं को वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरित किया गया। इनमें प्रमुख रूप से सपना, अनुष्का, संजना, जोया, फरहाना एवं सुनैना समेत अन्य बच्चे शामिल रहे। प्रधानाध्यापक ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे का विद्यालय जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल बन सके। अंत में बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ।

रबी वर्ष 2025–26 का क्राप कटिंग कर फसल उपज का कराया गया आकलन

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश के क्रम में तहसीलदार खलीलाबाद आनंद ओझा द्वारा

तहसील खलीलाबाद के विकासखंड खलीलाबाद के ग्राम पंचायत आजमपुर में रबी 2025–26 के अंतर्गत चयनित कृषक कृष्ण सिंह के स्थित गाटा संख्या 74 रबी कटिंग की अधिसूचित फसल गेहूं की कटाई का ब्च् के माध्यम से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में प्लाट उपज 17.500 किलोग्राम(43.3 वर्ग मीटर में) प्राप्त हुआ अर्थात 40.42 कुंतल प्रति हेक्टेयर अनुमानित प्राप्त हुआ। इस अवसर पर तहसीलदार खलीलाबाद आनंद ओझा, अपर सांख्यिकीय अधिकारी ओमप्रकाश दुबे, राजस्व लेखपाल अनिल कुमार, प्रधानमंत्री फसल बीमा टीम से जिला समन्वयक अष्टभुजा सिंह, प्रवीण शर्मा ब्लॉक समन्वयक अमित कुमार सिंह, सचिन वर्मा एवं कृषक सहित सम्मानित गणमान्य आदि उपस्थित रहे।

मुण्डेरवा में पुलिस सख्त, 12 आरोपियों को भेजा न्यायालय

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। थाना मुण्डेरवा पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। इनमें 6 पुरुष और 6 महिलाएं शामिल हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर

चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकान्त और क्षेत्राधिकारी रुधौली कुलदीप सिंह यादव के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कदम उठाया। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ठछै) की धारा 170/126/135 के तहत शांति भंग की आशंका में कार्रवाई की गई। गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को उप जिला मजिस्ट्रेट सदर, बस्ती के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। थाना मुण्डेरवा पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

गांव में गूंजा नारा, शिक्षा है अधिकार हमारा

दैनिक बुद्ध का संदेश

उस्का बाजार। सर्व शिक्षा अभियान के तहत कंपोजित उच्च प्राथमिक विद्यालय तिवारी डीह से स्कूल चलो अभियान रैली निकाली गई। रैली को प्रधानाध्यापक हरिशंकर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली ग्राम पंचायत के विभिन्न टोलो की गलियों से होकर गुजरी।

इसमें शत–प्रतिशत नामांकन के लिए हर घर में चिराग जलेगा ,हर बच्चा स्कूल चलेगा , बच्चे मांगें प्यार दो ,शिक्षा का अधिकार दो जैसे स्लोगन लिखी तख्तियां लिए बच्चे चल रहे थे। बच्चे नारे लगा रहे थे। रैली वापस विद्यालय आकर समाप्त हुई। उसके बाद उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक ने कहा कि बच्चों की शिक्षा के प्रति अभिभावक गंभीर बनें और नामांकन कराकर नियमित विद्यालय भेजें। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के नामांकन या बीच में पढ़ाई छोड़ने के कारणों पर भी ग्रामीणों से चर्चा किया। इस अवसर शिक्षक सुधीर श्रीवास्तव, धीरेन्द्र यादव ,नीलेश शुक्ला, राकेश गुप्ता, शुभम श्रीवास्तव ,अनुराधा जायसवाल आदि रहे।

भगवान श्री चित्रगुप्त के प्राकटोत्सव पर निकली शोभा यात्रा में उमड़ी आस्था

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरूवार को भगवान श्री चित्रगुप्त के प्राकटोत्सव अवसर पर कायस्थ सेवा ट्रस्ट जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव के संयोजन में श्री चित्रगुप्त मंदिर से भव्य शोभायात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। शोभा यात्रा में भगवान श्री चित्रगुप्त के सुसज्जित रथ के साथ ढोल नगाड़े सहित अन्य आकर्षक झाकियां शामिल रही । शोभा यात्रा चित्रगुप्त मंदिर से निकलकर पाठक जी की कोठी से होते हुए कम्पनी बाग चौराहा से फौव्वारा तिराहा होते हुए बैरिहवा चित्रगुप्त चौक रौता चौराहा होते हुए चित्रगुप्त मंदिर पर भगवान की आरती के साथ शोभायात्रा सम्पन्न हुई। शोभा यात्रा में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शहर के कुछ प्रमुख अनुयायियों द्वारा शोभा यात्रा का जगह–जगह पर भव्य स्वागत किया गया। संस्थापक

अजय श्रीवास्तव ने कहा कि यह शोभा यात्रा का दूसरा वर्ष है। इसमें सभी वर्गों की भागीदारी रहती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त जी सर्वसमाज के देवता है। संगठन के मंडल अध्यक्ष नवीन श्रीवास्तव ने शोभा यात्रा में आए लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी को यमराज का सहायक और सृष्टिकर्ता ब्रम्हा का अंश माना जाता है। वे समस्त प्राणियों के कर्मों का लेखा जोखा रखते है। यह शोभा यात्रा ज्ञान, सुख और समृद्धि के प्रतीक के रूप में मनाई जाती है। शोभायात्रा में प्रमुख रूप से नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नेहा वर्मा, भाजपा नेता अंकुर वर्मा, राणा दिनेश प्रताप सिंह, बसपा नेता सचिन श्रीवास्तव वरिष्ठ समाजसेवी राजन गुप्ता, रूपेश श्रीवास्तव आशीष सिंह दुर्गेन्द्र बहादुर श्रीवास्तव, नीतेश श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव, सुरेन्द्र मोहन वर्मा, दिनेश कुमार श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, राजेश चित्रगुप्त, नवीन श्रीवास्तव, अरविन्द श्रीवास्तव गोला, मनोज श्रीवास्तव, आशुतोष श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, राजकुमार श्रीवास्तव, विवेकानन्द श्रीवास्तव, बलराम श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, जीतेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव, सौरभ सिन्हा, दीपआनन्द श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, अनिल कुमार श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, अंकुर श्रीवास्तव, स्नेह निधि श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, कविता श्रीवास्तव, मोनू श्रीवास्तव, डब्बू श्रीवास्तव, प्रकाश मोहन श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव, अभय श्रीवास्तव, कुलदीप श्रीवास्तव, मुकेश कुमार श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, विकान्त श्रीवास्तव, अंशुल आनन्द श्रीवास्तव, राजेश कुमार श्रीवास्तव, प्रेमचन्द्र श्रीवास्तव, अरूण कुमार श्रीवास्तव, नितेश श्रीवास्तव, आदर्श श्रीवास्तव, रनदीप माथुर, अभिषेक श्रीपास्तव, शिवनन्दन श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव, राजेश कुमार श्रीवास्तव, रत्नेश कुमार श्रीवास्तव, देवव्रत लाल श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, प्रिन्स श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, .पा शंकर लाल श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव, राजेश प्रताप श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव, सुभाष श्रीवास्तव, डब्लू. अरूण श्रीवास्तव, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू', राजकुमार लाल श्रीवास्तव, स्नेह निधि श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव, डीके सक्सेना, अपराजिता सिन्हा, रेखा चित्रगुप्त, संजू श्रीवास्तव, प्रीति श्रीवास्तव, प्रतिमा श्रीवास्तव, के.के. श्रीवास्तव के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

पीड़िता ने लगाया अपने पति की हत्या का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। मुकामी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बसवानपुर की रहने वाली महिला शांति देवी ने गुरुवार को एक प्रार्थना पत्र दी है जिसने अपने पति की कत्ल का आरोप लगाई है। पीड़िता ने कहा कि मेरे पति मुंबई में एक कंपनी में काम करते थे उसके बाद 26 मार्च को गायब हो गए पता किया गया लेकिन पता नहीं चला जिसके बाद 30 मार्च को एक फोन आता है और कहा जाता है कि आपके पति का कुर्ला स्टेशन के रेलवे ट्रैक पर मृत अवस्था में मिले है। पीड़िता ने बताया कि उनके कमरे में दो लोग रहते है जोकि एक लोग महुआ माफी थाना उसका बाजार के निवासी है और एक का अज्ञात बताई लेकिन जब पूछा गया तो सही जवाब नही दिया है पीड़िता महिला ने संदेह करते हुए दो व्यक्ति के खिलाफ थाना उसका बाजार में लिखित तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। थाना प्रभारी हरे .ष्ण उपाध्याय ने बताया कि तहरीर मिली है जांच की जा रही है।

राजन इण्टर नेशनल एकेडमी में छात्रों को चंदन लगाकर पुष्पवर्षा के साथ नया सत्र शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरूवार को राजन इण्टर नेशनल एकेडमी के नवीन सत्र का आरम्भ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और पूर्वान्चल के मालवीय पं. सूर्यनारायण चतुर्वेदी के चित्र पर पुष्पार्चन से आरम्भ हुआ। प्रबंधक निदेशक शिखा चतुर्वेदी, कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय, प्रधानाचार्य सानू एन्टोनी और एकेडमी के शिक्षक, शिक्षिकाओं ने छात्रों को चंदन लगाकर पुष्पवर्षा करते हुये उनका स्वागत किया। नवीन सत्र के आरम्भ अवसर पर प्रबंधक निदेशक शिखा चतुर्वेदी ने कहा कि गुरूजनों के प्रयास, अभिभावकों के विश्वास का परिणाम है कि पांचवे वर्ष में प्रवेश कर रहे एकेडमी ने शिक्षा के क्षेत्र में विश्वास अर्जित किया है। कहा कि शिक्षा का उद्देश्य छात्र का समग्र विकास करना है। केवल किताबों से ज्ञान नहीं मिलता। समर्थ गुरू छात्रों का जीवन बदल देते हैं। कहा कि बेहतर शिक्षा के लिये अत्याधुनिक संसाधनों की कमी नहीं होने पायेगी। इस अवसर पर उपस्थित छात्रों और विद्यालय परिवार के सदस्यों का मुंह मीठा कराने के साथ ही आइसक्रीम भी खिलाया गया। इस अवसर पर जितेन्द्र यादव ,पुनीता पाण्डेय, राम स्वरूप यादव, सुमन दूबे, रेखा श्रीवास्तव, पूनम गुप्ता, प्रमिला शुक्ला, श्वेता त्रिपाठी, नीलम श्रीवास्तव, निशु उपाध्याय, शालिनी श्रीवास्तव,अन्नू, सुष्मिता मन्ना, सुष्मिता पाण्डेय, नेहा अबरोल, आ.ति पाण्डेय, सौम्या पाण्डेय, जानवी शुक्ला, दीपांजलि, रीना पाण्डेय, नैन्सी वर्मा, आ.ति साहू, आ.ति पाण्डेय, तहजीब फातिमा, अर्चना द्विवेदी, रूपा जायसवाल, सुषमा गुप्ता, हर्षिका शुक्ला, फातिमा सिद्दीकी, रजनी श्रीवास्तव, फरहत फातिमा, शहनाज यूनुस, नलिनी गुप्ता, ज्योति पाण्डेय, माया सिंह, मनीषा गुप्ता, प्रभा त्रिपाठी, श्रद्धा पाण्डेय, शालिनी श्रीवास्तव, कोमल गुप्ता, आशीष कसौधन, प्रेरणा सिंह, प्रभात त्रिपाठी, साक्षी मिश्रा, दीपाली वर्मा, माया शुक्ला, सिमरन गुप्ता, शालिनी श्रीवास्तव, अभिरामी, वेदिका गुप्ता, शिक्षा बरनवाल, रिया दुबे, खदीजा परवीन, अंजलि चौरसिया, अमित मिश्रा, राम स्वरूप यादव, सौरभ पाण्डेय, अनूप पाण्डेय, रचित गुप्ता, मनजीत सिंह, संजय तिवारी, मोहम्मद सारिक, कुशाग्र मिश्रा, दीप कमल सिंह, गोपाल सिंह, किरण के विस्टन, ज्वैल थॉमस,शिवांश उपाध्याय, शुभम पटेल, रवि प्रकाश तिवारी, अभिषेक कुमार धर्मेंद्र तिवारी, गौतम प्रकाश, विकास कुमार चतुर्वेदी अभय कुमार पाण्डेय सहित अनेक शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

बलरामपुर रेलवे स्टेशन प्रकरणः केवल धारा 145 में कार्यवाही पर उठे सवाल, सख्त धाराओं की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। रेलवे स्टेशन के बाहर टैक्सी स्टैंड पर अवैध "गुंडा टैक्स" वसूली, मारपीट और महिलाओं से बदसलूकी के मामले में हुई कार्रवाई अब सवालों के घेरे में आ गई है। घटना 30 मार्च 2026 की है, जब ट्रेन संख्या 15070 (गोरखपुर इंटरसिटी) से पहुंचे यात्रियों के साथ दबंगों द्वारा जबरन वसूली और मारपीट की गई थी। मामले में रेलवे सुरक्षा बल (त्थ्) द्वारा एक आरोपी की गिरफ्तारी कर धारा 145 रेल अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। हालांकि, स्थानीय लोगों और यात्रियों का कहना है कि यह कार्यवाही अपर्याप्त है, क्योंकि घटना में 5–7 लोग शामिल थे और मामला केवल उपद्रव का नहीं, बल्कि अवैध वसूली, मारपीट और महिलाओं से बदसलूकी का भी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विरोध करने पर यात्रियों के साथ मारपीट की गई तथा महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। घटना का वीडियो प्रमाण भी मौजूद है, जो मामले की गंभीरता को दर्शाता है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि स्टेशन परिसर के बाहर इस प्रकार की घटनाएं आए दिन होती रहती हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा ठोस और प्रभावी कार्यवाही नहीं की जाती। उन्होंने मांग की है कि मामले में भारतीय दंड संहिता (प्च्ब्) की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया जाए तथा सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। इस पूरे प्रकरण ने रेलवे प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं। आम जनता ने प्रशासन से अपेक्षा जताई है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रेलवे स्टेशन परिसर को सुरक्षित बनाया जाए।

बाईक की टक्कर से साइकिल सवार दंपत्ति गंभीर रूप से घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र में बुधवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें साइकिल सवार दंपत्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्नलगंज पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पचमरी निवासी हरिशंकर (38) पुत्र छोटेलाल अपनी पत्नी प्रीती (35) के साथ दवा लेने बाजार जा रहे थे। जैसे ही वे मसौलिया मोड़ के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार बाइक सवार सनीद्योल पुत्र चंदर निवासी ढेमा ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों पति–पत्नी साइकिल समेत सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे में हरिशंकर को हाथ,पैर और सीने में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि उनकी पत्नी प्रीती के सिर में गंभीर चोट के साथ हाथ–पैर में भी चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार युवक नशे की हालत में था और तेज रफ्तार के कारण संतुलन खो बैठा,जिससे यह हादसा हुआ। हादसे के बाद बाइक सवार सनीद्योल भी गिरकर घायल हो गया।स्थानीय लोगों का कहना है कि मसौलिया मोड़ पर तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते अक्सर हादसे होते रहते हैं। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है,जिससे लोगों में आक्रोश है।क्षेत्रवासियों ने सड़क सुरक्षा के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

द जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने हस्ताक्षर अभियान का किया शुभारंभ,पत्रकार सुरक्षा कानून की उठाई मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के कर्नलगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 1 अप्रैल 2026, बुधवार को "द जर्नलिस्ट एसोसिएशन" (भारत) के तत्वावधान में राष्ट्रीय हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान देश भर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करवाने की मांग को लेकर शुरू किया गया है।कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन के जिलाध्यक्ष एमडी मौर्य ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पत्रकार साथी पवनदेव सिंह, अभय प्रताप सिंह, अनुराग मिश्र, वीरेंद्र कुमार तिवारी, शिवकुमार पाण्डेय, महेश गोस्वामी,शिवम श्रीवास्तव, ज्ञानप्रकाश चौहान, धर्मेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों एवं आम नागरिकों ने उपस्थित होकर अपने हस्ताक्षर कर अभियान को समर्थन दिया।अभियान का उद्देश्य पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। वक्ताओं ने कहा कि देश में लगातार पत्रकारों पर हो रहे हमले और उत्पीड़न लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं, ऐसे में पत्रकार सुरक्षा कानून समय की बड़ी आवश्यकता बन गया है। संगठन की ओर से सभी पत्रकारों एवं जागरूक नागरिकों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में जुड़कर इस जनआंदोलन को मजबूत करें,ताकि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को सुरक्षित किया जा सके।

जनसेवा में सक्रिय पूर्व प्रधान किशोरी लाल विश्वकर्मा, वार्ड–10 में बढ़ी लोकप्रियता

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती के विधानसभा भिनगा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर–10 में पूर्व प्रधान किशोरी लाल विश्वकर्मा लगातार जनसेवा के कार्यों में सक्रिय नजर आ रहे हैं। वर्ष 2025 से अब तक वह क्षेत्र की जनता की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर प्रयासरत हैं और लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। बताया जाता है कि किशोरी लाल विश्वकर्मा द्वारा क्षेत्र के पात्र लोगों को विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना एवं आवास योजना जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग किया जा रहा है। इसके अलावा पैन कार्ड बनवाने, बिजली बिल की समस्याओं के निस्तारण सहित अन्य जनसुविधाओं में भी वह लोगों की मदद कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, वह दबे–कुचले, शोषित एवं पीड़ित वर्ग की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हैं और हर संभव समाधान कराने का प्रयास करते हैं। यही कारण है कि क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है और लोग उनके कार्यों की सराहना कर रहे हैं। सामाजिक कार्यक्रमों में भी उनकी सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है। शादी–विवाह, मुंडन संस्कार, अंतिम संस्कार सहित अन्य अवसरों पर पहुंचकर वह लोगों के सुख–दुख में शामिल होते हैं और सामाजिक जुड़ाव बनाए रखते हैं। क्षेत्र में बढ़ती सक्रियता और जनसेवा के चलते पूर्व प्रधान किशोरी लाल विश्वकर्मा को भावी जिला पंचायत सदस्य के रूप में भी देखा जा रहा है। फिलहाल वह निरंतर जनता के बीच रहकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं।

शिक्षा उत्सव में मेधावी छात्रा सम्मानित, नामांकन बढ़ाने पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

विशेश्वरगंज/बहराइच। बेसिक शिक्षा को प्रोत्साहन देने और नामांकन अभियान को गति देने के उद्देश्य से प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय निगोह में बृहस्पतिवार को 'शिक्षा उत्सव' के तहत प्रगति पत्र वितरण, नव प्रवेशी छात्र–छात्राओं का स्वागत एवं शारदा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और शत–प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार मिश्र ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया। इसके बाद नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर एवं माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया गया, जिससे विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल बन गया। इस अवसर पर कक्षा 5 व 8 के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रगति पत्र के साथ पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया, जिससे अन्य बच्चों में भी प्रतिस्पर्धा और आगे बढ़ने की प्रेरणा जागृत हुई। अपने संबोधन में खंड शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार मिश्र ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता के साथ–साथ नामांकन बढ़ाना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यालय से बाहर रह रहे बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन कराने, नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और ड्रॉपआउट रोकने के लिए शिक्षक व अभिभावकों के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में न्याय पंचायत प्रभारी सुशील कुमार मिश्र, अमित मिश्र, पुनीत अग्रवाल, विद्यालय प्रभारी शैलेंद्र मिश्र सहित समस्त शिक्षक–शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम न केवल बच्चों के उत्साहवर्धन का माध्यम बना, बल्कि शिक्षा के प्रति समाज में सकारात्मक संदेश भी प्रसारित करने में सफल रहा।

तीन दिन बाद खत्म हुआ किसानों का धरना, 17 मांगों पर प्रशासन ने दिया आश्वासन

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। तहसील परिसर पयागपुर में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) द्वारा पिछले तीन दिनों से चल रहा धरना प्रदर्शन गुरुवार को समाप्त हो गया। किसानों ने अपनी करीब 17 सूत्रीय मांगों को लेकर तहसील प्रशासन के समक्ष ज्ञापन प्रस्तुत किया था। धरना समाप्ति की घोषणा जिलाध्यक्ष प्रमोद तिवारी ने तहसीलदार पयागपुर को ज्ञापन सौंपने के बाद की। इस दौरान किसानों ने विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और उनके समाधान की मांग की। तहसीलदार पयागपुर ने सभी बिंदुओं पर संबंधित विभागीय अधिकारियों से वार्ता की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का समय रहते निदान किया जायेगा। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पदाधिकारी गणों ने उप जिलाधिकारी पयागपुर को हटाने की मांग भी किया। धरना समाप्त होने के बाद किसानों ने चेतावनी दी कि यदि तय समय में मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो वे दोबारा धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

मारवाड़ी युवा मंच शाखा का हुआ शपथ ग्रहण समारोह,महिला मंडल की सचिव बनीं वर्षा अग्रवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में बहराइच रोड पर स्थित ड्रीम हाउस पर मारवाड़ी युवा मंच गोण्डा शाखा का सत्र वर्ष 2026–27 के अध्यक्ष मंत्री का चुनाव सम्पन्न हुआ तथा देवीपाटन महिला मंडल मारवाड़ी युवा मंच की भी घोषणा हुई।जिसमें सर्वसम्मति से वर्षा अग्रवाल को सचिव पद पर आसीन किया गया।बताते चलें कि अनीता को अध्यक्ष और सोनम अग्रवाल को कोषाध्यक्ष पुनःचुना गया।महिला मंडल नव निर्वाचित सदस्यों की घोषणा प्रांतीय संयोजक नीलम जैन ने किया।कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि नवीन पालड़ीवाल प्रांतीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच साथ ही प्रांतीय उपाध्यक्ष मंडल ग सचिन खेमका प्रांतीय सहायक मंत्री विकास अग्रवाल,गोपाल मित्तल,शाखा अध्यक्ष पीयूष मित्तल,मंत्री विकास अग्रवाल, कोषाध्यक्ष वैभव अग्रवाल को मंचासीन कराया गया। उसके बाद दीपप्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई साथ ही मंचासीन सभी का स्वागत बुके और दुपट्टे से किया गया । देवीपाटन महिला शाखा द्वारा स्वागत गीत गणेश वन्दना से कृति सोमानी ने किया।मंच के शाखा मंत्री विकास अग्रवाल ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर वर्ष भर में हुए मंच में हुए राष्ट्रीय प्रांतीय कार्यक्रमों से सभी को अवगत कराया प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ। शाखा अध्यक्ष पीयूष मित्तल का उद्बोधन हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष गोपाल मित्तल द्वारा नए नये अध्यक्ष राम मनोहर अग्रवाल और मंत्री पवन अग्रवाल की घोषणा की।वैभव अग्रवाल को पुनः दोबारा कोषाध्यक्ष पद पर नवाजा गया।नवनिर्वाचित अध्यक्ष का परिचय उपस्थित सभी सदस्यो से कराया गया और नए अध्यक्ष मंत्री को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई नवनिर्वाचित शाखा अध्यक्ष का उद्बोधन मैं शाखा सदस्यों के कार्यों मिले सहयोग को सराहा और नए नेतृत्व को शुभकामनाएं दी साथ ही मुख्य अतिथि का उद्बोधन मे गोंडा शाखा के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की और बताया कि गोण्डा शाखा राष्ट्र प्रान्त की स्तंभ शाखा है,इसके बाद उनका मोमेंटो से सम्मान किया गया।कार्यक्रम का संचालन देवेश जालान ने किया और समापन धन्यवाद शाखा अध्यक्ष पीयूष मित्तल ने किया।राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।कार्यक्रम के समापन पर समाजसेवी अनिल मित्तल, विकास जैन,मुकेश नहारिया, राजेश अग्रवाल का सम्मान मंच द्वारा किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रांतीय सदस्य अमित गर्ग, सचिन पचेरिया, राजेश अग्रवाल, मुकेश नहारिया, विकास जैन, कृष अग्रवाल,पीयूष भावसिंहका, अखिलेश नेवाटिया, कन्हैया अग्रवाल, अमित अग्रवाल,प्रिंस गर्ग, सौरभ जैन, अमित मित्तल, उत्कर्ष गर्ग, प्रांतीय संयोजक नीलम जैन, नीतू गर्ग, अनीता मनीरामका , वर्षा अग्रवाल, पिंकी नहरिया, सोनम अग्रवाल, सरिताअग्रवाल ,पुष्पा सिंघल, अनीता नहारिया, प्रेमलता सिंघल, ज्योति मित्तल, रीता काबरा, ज्योति गर्ग, संगीता अग्रवाल सहित मंच के सभी सदस्य और पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

निर्धारित दर पर कृषकों को उर्वरक वितरण किया जाय–जिला कृषि अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला .षि अधिकारी ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देश के कम में जनपद के समस्त विकास खण्डो मे स्थित उर्वरक प्रतिष्ठानो का भौतिक सत्यापन सम्बन्धित विकास खण्ड के सहायक विकास अधिकारी (.षि) के द्वारा कराया गया, सत्यापनकर्ता के अनुसार मेसर्स केशरी खाद भण्डार, बनौरा, मे० पटेल खाद भण्डार, बडगाँव, मे० यदुवंशी इन्टर प्राइजेज, बडगाँव, मे० अंशिका खाद एवं बीज भण्डार, मारकुण्डी, मे० श्री बाला जी एग्रोटेक, कोन, मे० जायसवाल खाद भण्डार, कोन एवं मे० केकराही किसान सेवा केन्द्र समिति लि०, करमा सोनभद्र के प्रतिष्ठानो के पास मशीन एवं भौतिक स्टाक मे भिन्नता पायी गयीं। उपरोक्त से यह परिलक्षित होता है कि उपरोक्त उर्वरक प्रतिष्ठानो के द्वारा उर्वरको का अबैध भण्डार / जमा खोरी, कालाबाजारी एवं ओवररेटिंग किया जा रहा है। जिसके लिये सम्बन्धित उर्वरक प्रतिष्ठान को निलम्बित करते हुए विकी को प्रतिबन्धित करते हुए स्पष्टीकरण की माँग की गयी है। साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया गया है कि .षकों को बिना किसी टैगिंग के एवं निर्धारित दर पर उर्वरकों का बितरण किया जाय तथा अधिकत्मक एक हेक्टेयर .षि भूमि पर यूरिया 07 बैग एवं डी०ए०पी 05 बैग का पास मशीन से वितरण करना सुनिश्चित करें। अगर किसी भी थोक एवं फुटकर उर्वरक विक्रेता द्वारा कालाबाजारी / जमाखोरी, टैगिंग करते हुए एवं निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिकी करते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक एवं मिश्रित) नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत विधिक कार्यवाही की जायेगी।

नायब तहसीलदार शुभम प्रताप सिंह के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब, फूल–मालाओं से हुआ भव्य अभिनंदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच/पयागपुर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPCS–2024) की परीक्षा में नायब तहसीलदार पद पर चयनित होकर जनपद का नाम रोशन करने वाले शुभम प्रताप सिंह का गृह क्षेत्र आगमन पर ऐतिहासिक स्वागत किया गया। खुटेहना चौराहा (पयागपुर) पहुँचते ही क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, युवाओं और परिजनों ने उन्हें फूल–मालाओं से लाद दिया। ढोल–नगाड़ों की गूंज और गगनभेदी नारों के बीच पूरा माहौल उत्सव में बदल गया। गणमान्य लोगों ने किया जोरदार स्वागतः शुभम प्रताप सिंह के प्रथम आगमन पर स्वागत करने वालों की लंबी कतार देखने को मिली। इस दौरान योगेन्द्र सिंह, अजीत सिंह, रामपाल सिंह, रंजीत सिंह, दलजीत सिंह, समरजीत सिंह, झीनकन सिंह, आनंद प्रताप सिंह, रामनारायण सिंह, सौरभ प्रताप सिंह, कमलेश सिंह, प्रिंशु, ईशू और नीरज वर्मा सहित अनेक लोगों ने माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया। वहीं सुनील वर्मा, विद्याप्रकाश, पप्पू तिवारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिक्षा और समर्पण की मिसाल बने शुभमः शुभम प्रताप सिंह की सफलता को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत माना जा रहा है। उन्होंने वर्ष 2018 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की, इसके बाद वर्ष 2020 में दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर (PG) और एम.फिल (ड.चैपस) पूरा किया। वर्तमान में वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पीएचडी (PhD) के शोधार्थी हैं। उनकी उपलब्धि यह दर्शाती है कि निरंतर परिश्रम और दृढ़ संकल्प से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। परिजनों के आशीर्वाद को दिया सफलता का श्रेयः स्वागत से अभिभूत शुभम प्रताप सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पूज्य स्वर्गीय बाबा डूवर सिंह एवं स्वर्गीय पिता दिनेश प्रताप सिंह के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने अपनी माता सरिता सिंह, बड़े पिता परमेश्वर सिंह, चाचा रामपाल सिंह, बड़े भाई अजीत सिंह और छोटे भाई छोटू सिंह के सहयोग के प्रति भावुक होकर आभार व्यक्त किया।

मिशन शक्ति:5 के तहत श्रावस्ती पुलिस का जागरूकता अभियान, महिलाओं को किया सशक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्तिदृ5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत पुलिस द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम के पर्यवेक्षण में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में यह अभियान निरंतर जारी है। अभियान के तहत कोतवाली भिनगा, सिरसिया, मल्हीपुर, हरदत्तनगर गिरंट, सोनवा, गिलौला, इकौना सहित महिला थाना एवं शक्ति मोबाइल टीम द्वारा विद्यालयों, ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं सरकारी सेवाओं की जानकारी दी गई। चौपाल एवं संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं की समस्याएं सुनकर उनके समाधान हेतु प्रेरित किया गया तथा उन्हें "शक्ति दीदी" के रूप में निर्भीक होकर अपनी बात रखने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही साइबर सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाते हुए ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक एवं सोशल मीडिया फ्रॉड से बचाव के उपाय बताए गए। महिलाओं को ओटीपी साझा न करने तथा किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस सेवा 112, एम्बुलेंस 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102 एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की जानकारी भी दी गई। इसके अलावा ब्ब्ज्छै एवं न्च्ब्व् ऐप के माध्यम से मिलने वाली ऑनलाइन सेवाओं तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देकर महिलाओं को उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस मुठभेड़ में 02 अभियुक्त घायल सहित 05 अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना अनपरा क्षेत्रान्तर्गत 27.03.2026 को भारत फाइनेंस कम्पनी के कलेक्शन एजेंट से चार अज्ञात अपराधियों द्वारा, जो दो मोटरसाइकिल पर सवार थे, लूट की घटना कारित की गई थी। घटना में अपराधियों द्वारा ध्63,000/– नकद, टैबलेट, बायोमेट्रिक मशीन, मोबाइल फोन, कलेक्शन डायरी एवं अन्य आवश्यक कागजात से भरा बैग लूट लिया गया था। उक्त प्रकरण के संबंध में वादी की तहरीर के आधार पर थाना अनपरा पर मु0अ0सं0–75/2026, धारा 304(2) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजी.त किया गया। विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर धारा 304(2) बीएनएस को लोप करते हुए धारा 309(4) बीएनएस में परिवर्तित किया गया तथा बरामदगी के आधार पर धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गई। घटना के सफल अनावरण हेतु पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक अनपरा व थानाध्यक्ष शक्तिनगर

के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। 01.04.2026 को समय करीब 22रू00 बजे मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि दो मोटरसाइकिल पर सवार चार संदिग्ध व्यक्ति मिर्चाधुरी की ओर से अनपरा की तरफ आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी की गई। घेराबंदी के दौरान कुबरी पहाड़ी के पास बदमाशों द्वारा अपने आप को घिरता देख, भागने के प्रयास में पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ नियंत्रित जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें दो अभियुक्त संजय यादव पुत्र राजेश यादव व पंकज श्रीवास्तव पुत्र राम प्रवेश लाल निवासीगण झिरकाडंडी थाना कोन जनपद सोनभद्र के बायें पैर में गोली लगने से घायल हो गए । मौके से दो अन्य अभियुक्त.धीरज यादव पुत्र नन्दलाल यादव निवासी झिरगाडंडी थाना कोन जनपद सोनभद्र व हरिओम जायसवाल पुत्र प्रदीप जायसवाल निवासी कोटा थाना चोपन जनपद सोनभद्र, को भी गिरतार किया गया, कब्जे से 02 अदद अवैध तमंचा, 02–02 अदद जिंदा कारतूस व खोखा कारतूस, लूटा गया माल व घटना में प्रयुक्त 02 अदद मोटरसाइकिल बरामद किया गया। घायल अभियुक्तों को उपचार हेतु पुलिस अभिरक्षा में डिबुलगंज अस्पताल भेजा गया है, जहां से दोनों घायल अभियुक्तों को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है जहां दोनो इलाजरत है। मौके पर फॉरेंसिक टीम साक्ष्य संकलन एवं उच्चाधिकारीगण मौका मुआयना किया गया है। गिरतारी व बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0–87/2026 धारा 109(1) बीएनएस व 3/25 आर्म एक्ट पंजी.त कर आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है। पूछताछ में अभियुक्तगणों द्वारा बताया गया कि उक्त लूट की घटना व साजिश चन्द्रेश यादव पुत्र बटेश्वर यादव निवासी झिरकाडंडी थाना कोन जनपद सोनभद्र के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से कारित की गई थी। चन्द्रेश यादव पूर्व में भारत फाइनेंस कम्पनी में काम कर चुका है, जिसे पता था कि दिन शुक्रवार को कलेक्शन जाता है। 'पूछताछ में यह भी पता चला कि धीरज यादव पीजी कॉलेज ओबरा में छात्रसंघ महामंत्री भी रह चुका है।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में निर्वाचक नामवलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान को लेकर समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सन्त कबीर नगर। मण्डलायुक्त बस्ती मण्डल बस्ती/रोल प्रेक्षक अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर निर्वाचक नामवलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के .ष्टिगत जनपद के तृतीय भ्रमण कार्यक्रम के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी आलोक कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) जय प्रकाश व ई0आर0ओ0/ए0ई0आर0ओ0 के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई। समीक्षा के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की अद्यतन स्थिति सहित विधानसभावार मतदाताओं का विस्तृत विवरण से अवगत कराया गया। उन्होंने आलेख्य प्रकाश पर सर्विस मतदाताओं की संख्या, फार्म 6, 7 एवं 8 की अद्यतन स्थिति, नोटिस का जनरेशन/सुनवाई की अद्यतन स्थिति से रोल प्रेक्षक को अवगत कराया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 आलेख्य प्रकाशन दिनांक 01 अप्रैल 2026 के अनुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 312–मेंहदावल में कुल 412243 मतदाता है, 313–खलीलाबाद में 407189 एवं 314–धनघटा(अ0जा0) में कुल 349885 मतदाता है। उन्होंने बताया कि दिव्यांग मतदाताओं की जनपद में कुल संख्या 9429 है। पुरूष महिला मतदाताओं का जेण्डर रेशियों 811 एवं जनपद का ईपिक रेशियों 51 है। रोल प्रेक्षक/मण्डलायुक्त द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम में अब तक की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि जनपद में जेण्डर रेशियों के संबंध में सभी विधानसभाओं में ऐसे कुछ न्यूनतम जेण्डर रेशियों वाले बूथों को चिन्हित करते हुए इसकी क्रास चेकिंग कर ली जाए कि सम्बंधित बूथ पर सामान्य जनसंख्या के आधार पर जेण्डर रेशियों का आकड़ा मतदाता सूची के जेण्डर रेशियों से लगभग मैच कर रहा है अथवा नही। समीक्षा के दौरान रोल प्रेक्षक द्वारा जनपद में फार्म 6, 7 एवं 8 के आधार पर मतदाता सूची में बढ़ने वाले नये मतदाताओं की संख्या, मतदाता सूची से हटने वाले एवं सूची में त्रुटियों के संशोधन आदि से सम्बंधित कार्यो की आकड़ेवार समीक्षा करते हुए समस्त ई0आर0ओ0/ए0ई0आर0ओ0 को निर्देशित किया गया कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाश से पहले बार–बार सभी स्तरों पर समीक्षा कर यह देख ले कि किसी भी प्रकार की त्रुटि न रहे जिससे जनपद की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन शुद्धत्म रूप में मा0 आयोग द्वारा निर्धारित तिथि दिनांक 10 अप्रैल 2026 को कराया जा सके। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी आलोक कुमार ने बैठक में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान से जुड़े अधिकारियों को मण्डलायुक्त/रोल प्रेक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कार्यो में गुणवत्तायुक्त आउटपुट देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर अरूण कुमार, उप जिलाधिकारी मेंहदावल संजीव राय, उप जिलाधिकारी डा0 सुनील कुमार, तहसीलदार सदर आनन्द कुमार ओझा, तहसीलदार मेंहदावल अल्पिका वर्मा, तहसीलदार धनघटा रामजी, खण्ड विकास अधिकारीगण, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज सहित एस0आई0आर0 कार्य से सम्बंधित अधिकारी/कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

नीट एमबीबीएस में एडमिशन कराने के नाम पर करोड़ो की ठगी करने वाले 03 अभियुक्तो को किया गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम पुलिस थाना धीरेन्द्र कुमार चौधरी के नेतृत्व में थाना साइबर क्राइम टीम द्वारा उल्लेखनीय कार्रवाई की गई। नीट/एमबीबीएस में एडमिशन दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। पुलिस टीम ने तत्परता एवं तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए 03 शातिर अभियुक्तों को गिरतार किया है। पीड़ित द्वारा थाना साइबर क्राइम, पर प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसे नीट (छम्म्ज्) परीक्षा के माध्यम से एमबीबीएस में एडमिशन दिलाने का झांसा दिया गया। अभियुक्तों ने स्वयं को मेडिकल एडमिशन से जुड़े प्रभावशाली व्यक्ति/एजेंट बताते हुए सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेजों में पक्की सीट दिलाने का दावा किया। अभियुक्तों ने विश्वास में लेकर पीड़ित से विभिन्न चरणों में कुल ध्22,00,000 बाइस लाख रुपये की धनराशि अपने बताए गए बैंक खातों ऑनलाइन माध्यमों में जमा करवा ली। जिसके संबंध में थाना साइबर क्राइम जनपद सोनभद्र पर मु0अ0सं0– 09/2026 धारा 318(4), 336(3) बीएनएस एवं 66डी आईटी एक्ट के तहत अभियोग पंजी.त किया गया। –घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा तत्काल साइबर क्राइम टीम को सक्रिय करते हुए अभियुक्तों की गिरतारी हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तो के बैंक खातों का गहन विश्लेषण,मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल एवं लोकेशन ट्रैकिंग,डिजिटल एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का संकलन, सर्विलांस एवं मुखबिर तंत्र का प्रयोग करते हुए अभियुक्तों की पहचान सुनिश्चित की गई। लगातार प्रयासों के फलस्वरूप पुलिस टीम द्वारा लखनऊ के चारबाग बस स्टैण्ड के पास जूडियो शॉपिंग माल से सटीक सूचना पर दबिश देकर 03 अभियुक्तों को गिरतार किया गया। गिरतार अभियुक्तों को विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए मा० न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा अन्य राज्यों/जनपदों में भी इस प्रकार की ठगी की घटनाओं को अंजाम देने की जानकारी प्राप्त हुई है, जिसकी जांच की जा रही है। अभियुक्तगण द्वारा पूछताछ मे बताया गया कि प्रदेश मे बड़े बड़े कोचिंग सेन्टरों व कालेजों का डाटा मिली भगत से लेकर आनलाइन अपने आप्टिमस एजुकेशन कन्सल्टेन्सी आफिस नम्बर 122 4जी प्लोर जेबी एम्पायर निकट अपोलो हास्पिटल मे मंगाते थे तथा उसमे स्थापित काल सेन्टर के माध्यम से जो छात्र एमबीबीएस व नीट की परीक्षा पास करते है उनसे टेलीकालर के माध्यम से सम्पर्क कर जो किसी काम वंचित रह जाते है बढिया कालेजों मे दाखिला कराने का प्रलोभन देकर हम लोग धोखाधडी करते थे ।

बेटी ने पूरे गांव का नाम किया रोशन किया स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पीसीएस अधिकारी बनकर पहली बार गांव पहुंचने पर खुशबू रानी का बैंड बाजा एवं पुष्प वर्षा कर ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया। ग्राम प्रधान महिमा सिंह की अगुवाई में सैकड़ो ग्रामीणों ,पीसीएस अधिकारी बनकर गांव आने पर बेटी खुशबू रानी का तिलौली गांव में स्वागत किया गया। ग्रामीणों में विशेष उत्साह बेटी को अधिकारी बनने पर रहा। सर्वप्रथम गांव के दुर्गा मंदिर का दर्शन किया गया इसके पश्चात बेटी का अभिनंदन समारोह किया गया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आनंद प्रकाश पटेल एवं ग्राम प्रधान महिमा सिंह द्वारा बेटी को माल्यार्पण, अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत किया गया ।बेटी के पिता राजकुमार गुप्ता ,माता शांति देवी ने बेटी को गले लगाकर स्वागत किया। भावुक स्वर में लोगों ने कहा कि आज हमारी बेटी पूरे गांव और जनपद का नाम रोशन किया है। खुशबू रानी ने अपने सफलता का राज अपने माता–पिता एवं गुरुजनों का आशीर्वाद बताया ।ज्ञात हो कि खुशबू रानी का पीसीएस 2024 में असिस्टेंट कमिश्नर पद पर चयन हुआ है जिससे पूरे गांव में हर्ष का माहौल रहा ।ग्रामीणों ने बेटी का माल्यार्पण कर स्वागत किया ।उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व ग्राम प्रधान अजय सिंह,मोहन गुप्ता ,चंद्र सिंह, रामगोपाल गुप्ता, संतोष गुप्ता, सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे।

प्रधानाध्यापक की विदाई में भावुक हुए छात्र, नम आंखों से किया सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। कम्पोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिकटिहवा में 31 मार्च का दिन भावनाओं से भरा रहा, जब विद्यालय के प्रधानाध्यापक जीत बहादुर चौधरी अपने लंबे एवं सराहनीय सेवा कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षक, छात्र–छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे। प्रधानाध्यापक चौधरी के सेवानिवृत्त होने की खबर से बच्चों में काफी मायूसी देखी गई। कई छात्र–छात्राएं भावुक हो उठे और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। बच्चों ने अपने प्रिय गुरु को फूल–मालाओं और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विद्यालय के सहायक अध्यापकों ने अपने संबोधन में कहा कि जीत बहादुर चौधरी ने अपने कार्यकाल में विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी अनुशासनप्रियता, समर्पण और छात्रों के प्रति स्नेह हमेशा याद किया जाएगा। इस दौरान प्रधानाध्यापक चौधरी ने भी अपने संबोधन में सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय परिवार के साथ बिताए गए पल उनके जीवन की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने उन्हें भावभीनी विदाई दी और उनके उज्जवल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। विद्यालय में उनके जाने से एक खालीपन महसूस किया जा रहा है, जिसे भर पाना आसान नहीं होगा।

बुद्ध विहार जवाही पटेहरा में सम्राट अशोक महान का जन्मोत्सव भव्य रूप से संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय विकास खंड के गांव पटेहरा स्थित बुद्ध विहार जवाही में बुधवार को देर शाम तक सम्राट अशोक महान का जन्मोत्सव हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सम्राट अशोक की लोक कल्याणकारी नीतियों और उनके आदर्श शासन व्यवस्था को जन–जन तक पहुँचाना था। कार्यक्रम का आगाज भारतीय संविधान की प्रस्तावना के वाचन, दीप प्रज्वलन, त्रिशरण एवं पंचशील की परंपरा के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने तथागत बुद्ध एवं सम्राट अशोक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप

में उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता मा. विकास शाक्य जी ने धम्म के महत्व पर जोर देते हुए कहा बुद्ध के शीलों को केवल सुनें नहीं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। हमें अन्य धर्मों की आलोचना करने से बचना चाहिए, क्योंकि किसी की आलोचना करना स्वयं धम्म को कमजोर करने के समान है। मुख्य वक्ता जवाहर लाल मौर्य एवं संजय मौर्य ने सम्राट अशोक की कुशल शासन व्यवस्था और उनके द्वारा प्रतिपादित नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। रमेश गौतम (जिलाध्यक्ष, आप सोनभद्र) विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक का शासन आम आदमी की सहूलियत और कल्याण को ध्यान में रखकर चलाया जाता था। वक्ता अंशुमान मौर्य ने संबोधन में बताया कि बौद्ध धम्म अपनाने के बाद भी अशोक का वैचारिक सीमा विस्तार जारी रहा, यही कारण है कि आज विश्व के अधिकांश देशों में बौद्ध धर्म का प्रभाव है। समाजसेवी विशाल सिंह शिवपुलश अतिथियों एवं दर्जनों उपासकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किए साथ ही आगे भी सहयोग देने की बात की ,कार्यक्रम की अध्यक्षता रामप्रताप मौर्य ने की, जबकि संचालन घनश्याम मौर्य, स्वारथ मौर्य एवं मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र मौर्य द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुरेंद्र मौर्य(प्रधान पटेहरा लालब्रत मौर्य और सुरेश मौर्य समिति संरक्षक), अजीत कांत निराला (जिलाध्यक्ष, सम्राट अशोक क्लब भारत),रामाज्ञा मौर्य (प्रधान भरूंहा) सर्वजीत कुशवाहा (प्रबंधक), नेमचंद मौर्य, संदीप मौर्य समेत क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया और सम्राट अशोक के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

पात्र .षक बन्धुओं को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जायेगा–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने बताया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री को व्यापक स्तर पर लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में ग्राम पंचायत में विशेष शिविर आयोजित कर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जाए, ताकि कोई भी पात्र किसान इस योजना से वंचित न रहे, जिलाधिकारी ने कहा है कि मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिये है कि राज्य सरकार फार्मर रजिस्ट्री को .षि क्षेत्र में एकी.त लाभ वितरण प्रणाली के रूप में विकसित कर रही है, उन्होने कहा कि जिससे किसान विभिन्न योजनाओं का लाभ एक ही पहचान के आधार पर सरल और व्यवस्थित तरीके से प्राप्त कर सके। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं में यदि लाभार्थियों के नाम या अभिलेखों में कोई त्रुटि अथवा असंगति है, तो उसे आधार से लिंक कर प्राथमिकता के आधार पर संशोधित किया जाए। इसके साथ ही प्रत्येक पात्र किसान को किसान पहचान पत्र बनवाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये है कि .षि विभाग अपनी सभी योजनाओं को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ने के लिए आवश्यक तकनीकी व्यवस्था निर्धारित समय सीमा में तैयार करे और विभागीय पोर्टल को 01 मई 2026 तक पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाया जाए, साथ ही, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता एवं लघु सिंचाई जैसे सहयोगी विभाग 31 मई 2026 तक आवश्यक तैयारियां पूरी कर .षि विभाग के साथ समन्वय स्थापित करें, ताकि सभी विभागों में एक समान व्यवस्था लागू हो सके। जिन .षक बन्धुओं का फार्मर रजिस्ट्री अप्रैल 2026 तक पूरा नहीं होगा, उन्हें किसान सम्मान निधि और अन्य .षि संबंधी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा।

श्री हनुमान जयन्ती पर जी.वी.एम. में सुन्दर काण्ड का पाठ, उमड़ी आस्था

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरूवार को जी.वी.एम. कान्वेन्ट स्कूल में श्री हनुमान जयन्ती का आयोजन किया गया। शिक्षकों, छात्रों ने सुन्दर काण्ड का पाठ करने के साथ ही विधि विधान से पूजन अर्चन किया। प्रधानाचार्या विजय लक्ष्मी सिंह ने कहा कि भगवान शिव के 11वें रूद्र के रूप में प्रकट हुए भगवान हनुमान महाराज कलयुग के सारथी हैं। बल बुद्धि विद्या के दाता हैं जो हर–एक परिस्थिति में प्रत्येक स्थान पर और प्रतिपल अपने भक्तों पर .पा करने के लिए तत्पर रहते हैं। हनुमान जी की भक्ति भगवान बिना श्री राम के पूर्ण नहीं होती। वे अष्ट, सिद्धि, नव निधि के दाता है।कार्यक्रम में सावित्री, खुशबू , खुशी, निगहत, राकेश, राजेश, अनिता, शिवानी, नमरा, अरविंद, आस्था, महिमा,दिवाकर,हिना, नगमा, प्रीति, गिरीश, प्रिंस, पवन के साथ ही विद्यालय परिवार के शिक्षक, छात्र शामिल रहे।

श्रावस्ती में गेहूं की फसल में भीषण आग, 12 बीघा से अधिक फसल जलकर राख, किसानों में मचा हड़कंप

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती के हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में शुक्रवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कटाई के बाद खेत में बचे अवशेष (पराली) में लगी चिंगारी ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और आग तेज हवा के कारण आसपास के खेतों में फैलती चली गई। तेजी से फैली आग, कई किसान प्रभावित प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग इतनी तेजी से फैली कि किसानों को अपनी फसल बचाने का मौका

तक नहीं मिला। कुछ ही मिनटों में कई बीघा खेत इसकी चपेट में आ गए। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर–दूर तक दिखाई दे रहा था, जिससे आसपास के गांवों में भी दहशत फैल गई। दमकल और ग्रामीणों की मशक्कत से पाया गया काबू घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने भी बाल्टियों, पाइप और पेड़ की डालियों की मदद से आग बुझाने में सहयोग किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। 12 बीघा से अधिक फसल जलकर राख इस भीषण आग में लगभग 12 बीघा से अधिक गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। कई किसानों की सालभर की मेहनत कुछ ही पलों में राख में बदल गई। राजस्व टीम ने शुरू किया नुकसान का आंकलन सूचना पर राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। प्रशासन की ओर से किसानों को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया गया है। आग लगने के कारण की जांच जारी पुलिस के अनुसार, प्रथम .ष्टया आग लगने का कारण खेत में पड़े सूखे अवशेषों में चिंगारी लगना माना जा रहा है। हालांकि, अन्य संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

मुंह में सिगार और हाथ में तलवार, स्पिरिट से सामने आया विवेक ओबेरॉय का लुक, नए पोस्टर के जरिए मेकर्स ने ऐश्वर्या देसाई को भी किया इंट्रोड्यूस

फिल्म के इस पोस्ट को शेयर करते हुए विवेक ओबेरॉय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, श्एक रहस्य जो परछाइयों में दबा है और ऐसी आंखें जो सबसे गहरे राज याद रखती हैं।य बता

दें इस फिल्म में विवेक विलेन के रोल में नजर आएंगे। विवेक के अलावा मेकर्स ने एक नई एक्ट्रेस को भी इसी पोस्टर से इंट्रोड्यूस किया है। इस एक्ट्रेस का नाम है ऐश्वर्या देसाई, जो इस फिल्म में अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित इस फिल्म में प्रभास के अपोजिट तृप्ति डिमरी नजर आएंगी। फिल्म अगले साल 5 मार्च को रिलीज होगी। फिल्म श्स्पिरिट्य का जो पोस्टर साझा किया गया है, उसमें उनका लुक काफी हटकर है। वह नेगेटिव रोल की पूरी वाइब दे रहे हैं। वहीं ऐश्वर्या देसाई भी विवेक का साथ देती हुई फिल्म में नजर आएंगी। दोनों के किरदारों को देखकर लगता है कि फिल्म श्स्पिरिट्य की कहानी दिलचस्प होने वाली है। संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित फिल्म श्स्पिरिट्य में प्रभास लीड रोल में नजर आएंगे, उनके अपोजिट तृप्ति डिमरी होंगी। फिल्म में प्रकाश राज भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म पैन इंडिया रिलीज होगी, इसे 8 भाषाओं में मेकर्स रिलीज करेंगे। फिल्म को टी सीरीज फिल्म्स और भद्रकाली पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म को संदीप रेड्डी वांगा ने लिखा, एडिट और डायरेक्ट किया है।

धुरंधर 2 की नाक के नीचे फिल्म यूथ लूट लिया बॉक्स ऑफिस, 13 दिनों में 562 प्रतिशत कमा डाला मुनाफा

बॉलीवुड से लेकर साउथ तक के बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों रणवीर सिंह की सीक्वल धुरंधर 2 का डंका बज रहा है. इस फिल्म ने रिलीज के महज 13 दिनों में होश उड़ा देने वाली कमाई कर डाली है. लेकिन इस ब्लॉकबस्टर फिल्म के आगे भी एक कम बजट की मूवी ने चुपचाप मोटी कमाई कर डाली है और इतना प्रॉफिट कमा लिया है कि हर कोई हैरान रह गया है. जानते हैं ये

कौन सी फिल्म है? धुरंधर 2 के आगे धमाकेदार कमाई कर डालने वाली ये तमिल भाषा की फिल्म यूथ है. दिलचस्प बात ये है कि दोनों ही फिल्में 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. धुरंधर 2 से क्लैश के बावजूद यूथ को दर्शको से खूब प्यार मिला और इसने तगड़ा कलेक्शन कर डाला. इसमें केन करुणास, अनिश्मा अनिलकुमार, देवदर्शिनी सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. इस फिल्म का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर पहला हफ्ता काफी सफल रहा, और दूसरे हफ्ते में भी इसकी रफ्तार बनी हुई है. दूसरे वीकेंड में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद, इस तमिल रोमांटिक कॉमेडी फिल्म ने तीसरे मंगलवार, यानी 13वें दिन 1.56 करोड़ रुपये कमाए थे. सैकनिल्क के मुताबिक कुल मिलाकर इसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 13 दिनों में 39.73 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. जीएसटी को एडजस्ट करने के बाद, यह 45.60करोड़ रुपये के ग्रॉस कलेक्शन के बराबर है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूथ सिर्फ 6 करोड़ के बजट में बनी थी, और इस लागत के मुकाबले इसने 39.73 करोड़ नेट कमाए हैं तो, 13 दिनों में, फिल्म ने निवेश पर रिटर्न के तौर पर 33.73 करोड़ कमाए हैं जो कि 562.16त्न रिटर्न के बराबर होता है. इसी के साथ ये फिल्म सुपर हिट हो गई है. अब ये 50 करोड़ का आंकड़ा छूने की ओर बढ़ रही है. इसके लिए इसे 10.27 करोड़ रुपये और कमाने हैं. उम्मीद है कि तीसरे वीकेंड तक फिल्म ये आंकड़ा छू लेगी

मालती चाहर ने बिकनी पहन बढ़ाया इंटरनेट का पारा, दिए ऐसे–ऐसे पोज, इंटरनेट पर छाई तस्वीरें

बिग बॉस 19 फेम एक्ट्रेस मालती चाहर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है. उन्होंने बिकनी लुक में अपनी कुछ फोटोस शेयर की है, फैंस उनके इस अंदाज पर दिल हार बैठे हैं.

मालती चाहर ने हाल ही में इंस्ट्राग्राम पर अपनी हर से ज्यादा

ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं. इन फोटोज में एक्ट्रेस पिंक कलर की बिकनी पहने नजर आ रहीं है. कुछ फोटोज में एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर भी फ्लॉन्ट करती नजर आई. इस ग्लैमरस लुक में एक्ट्रेस ने कई कातिलाना पोज दिए हैं, जिसके फैंस दीवाने हो गए हैं मातली चाहर की ये तस्वीरें सामने आते ही इंटरनेट पर छा गई हैं. फैंस इन फोटोज पर भर भर कर कमेंट्स कर रहे हैं. बता दें मालती चाहर आए दिन इंस्ट्राग्राम पर अपनी ग्लैमरस फोटोज शेयर करती रहती है. हर एक फोटोज में उनका अलग ही अंदाज देखने को मिलता है. मालती चाहर ने बिग बॉस 19 से खूब सुर्खियां बटोरी. वो शो में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के रूप में शामिल हुईं थी. शो में वो अपने बेबाक अंदाज के लिए चर्चा में रहीं. फैंस ने उन्हें खूब पसंद किया.

थाई किझावी की ओटीटी रिलीज डेट हुई कंफर्म, 10 अप्रैल को जियो हॉट स्टार पर होगा

बिना किसी बड़े मेल स्टार के बनी इस छोटी सी तमिल फिल्म ने, पिछले महीने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था. यहां तक कि इसने कई बड़ी फिल्मों के आगे भी खूब कमाई की. दरअसल हम बात कर रहे हैं थाई किझावी की. इस फिल्म में राधिका सरथकुमार ने मुख्य भूमिका निभाई है, जिसमें वे एक बेरहम, बुजुर्ग साहूकार के किरदार में नजर आती हैं. रिलीज के बाद फिल्म को जबरदस्त रिव्यू मिले थे और इसी के साथ इस फिल्म ने दुनिया भर में 150 करोड़ का आँकड़ा पार कर लिया था. वहीं फैंस इस फिल्म की ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फाइनली मेकर्स ने इसकी ओटीटी रिलीज की तारीख कंफर्म कर दी है. जानते हैं इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कब और कहां देख सकते हैं? थाई किझावी का प्रीमियर 10 अप्रैल को ओटीटी के प्लेटफॉर्म जियो हॉट स्टार पर होगा. जियो हॉट स्टार तमिल के आधिकारिक अकाउंट ने फिल्म की रिलीज की अनाउंसमेंट एक पोस्ट के जरिए की है. जिसे शिवकार्तिकेयन प्रोडक्शंस द्वारा दोबारा पोस्ट किया गया है.

बता दें कि थाई किझावी 9 करोड़ के बजट में बनी थी.इस लागत के मुकाबले, इसने 60.28 करोड़ की नेट कमाई की है, जिससे इसे 51.28 करोड़ का इनवेस्टमेंट पर प्रॉफिट मिला हैय इसके साथ ही, यह 2026 की पहली ऐसी तमिल फिल्म बन गई है जिसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर यह उपलब्धि हासिल की है. आगे कैलकुलेशन करने पर, यह 569.77त्न के रिटर्न के बराबर है. इसी के साथ इसे सुपर हिट का दर्जा मिला है. यह फिल्म राधिका सरथ कुमार के किरदार पावनुथाई के इर्द–गिर्द घूमती है. पावनुथाई 70 साल की एक तेज–तर्रार साहूकार है, जिसके बेटे उससे प्रॉपर्टी बांटकर अपने नाम करने की मांग करते हैं. लेकिन वह साफ कह देती है कि वह अपनी मौत तक अपनी दौलत का खुद ही मजा लेना चाहती है. जब उसे लकवा मार जाता है, तो उसके लालची बेटे इस उम्मीद में वापस आते हैं कि उन्हें वह खजाना मिल जाएगा, जो कहीं छिपा हुआ है और जिसके बारे में सिर्फ पावनुथाई ही जानती है. इसमें सिंगमपुली, अरुलडोस, बाला सरवनन, मुनीशकांत, इलावरसु, जॉर्ज मैरीन और वेट्टई मुथुकुमार भी हैं. अभिनेता शिवकार्तिकेयन द्वारा अपने बैनर शिवकार्तिकेयन प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस और शिवकुमार मुरुगेसन द्वारा निर्देशित, थाई किझावी 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

स्वस्थ आंखों के लिए रात को अपनाएं ये 5 तरीके, लाभ होगा

आंखें हमारे चेहरे की सुंदरता को बढ़ाने में खास भूमिका निभाती हैं। हालांकि, रोजमर्रा की भागदौड़ और सही देखभाल न करने के कारण आंखों के आसपास की त्वचा थकी हुई और डल दिख सकती है। ऐसे में अगर आप अपनी आंखों की देखभाल के लिए एक अच्छी रात की स्किन केयर रूटीन अपनाते हैं तो इससे आपकी आंखें तरोताजा और खूबसूरत दिख सकती हैं। आइए आज हम आपको इसके लिए पांच आसान तरीके बताते हैं।

मेकअप हटाना न भूलें

सोने से पहले आंखों का मेकअप साफ करना बहुत जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करती हैं तो इससे आपकी आंखों की त्वचा रूखी और डल दिख सकती है। इसके लिए एक अच्छी क्वालिटी वाला मेकअप रिमूवर या नारियल के तेल का इस्तेमाल करें। यह न केवल मेकअप हटाता है, बल्कि आंखों की कोमल त्वचा को पोषण भी देता है। मेकअप हटाने के बाद हल्के हाथों से मालिश करें ताकि रक्त संचार बेहतर हो सके।

आंखों की सफाई करें

आंखों की सफाई करना भी जरूरी है। इसके लिए गुनगुने पानी में थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर उसमें रुई भिगोकर आंखों पर रखें। इससे आंखें तरोताजा महसूस होंगी। इसके अलावा यह तरीका आंखों की सूजन को कम करने में भी मदद कर सकता है। नियमित रूप से इस प्रक्रिया को अपनाने से आपकी आंखों की त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहती है। इससे आंखों की थकान भी दूर होती है और वे तरोताजा दिखती हैं।

ठंडी चायपत्ती या खीरे के टुकड़े लगाएं

ठंडे चायपत्ती या खीरे के टुकड़े आंखों पर रखने से सूजन और काले घेरे कम होते हैं। इसके लिए पहले चायपत्ती को उबालकर ठंडा कर लें, फिर उसे छोटे कपड़े में बांधकर फ्रिज में रख दें। सोने से पहले ठंडी चायपत्ती को आंखों पर रखें और 10–15 मिनट तक छोड़ दें। खीरे के टुकड़े भी इसी तरह असरदार होते हैं। इन तरीकों को अपनाने से आपकी आंखें तरोताजा और युवा दिखेंगी।

अच्छी नींद लें : अच्छी नींद लेना बहुत जरूरी है। रोजाना 7–8 घंटे की नींद लें ताकि आपकी आंखें पूरी तरह आराम कर सकें। नींद पूरी न होने पर आंखें थकी हुई और डल दिखती हैं, जिससे आपकी सुंदरता प्रभावित होती है। अच्छी नींद लेने से न केवल आपकी आंखें तरोताजा दिखेंगी बल्कि आपकी त्वचा भी निखरेगी। इसके अलावा यह आपकी मानसिक स्थिति को भी बेहतर बनाएगा और आप ज्यादा ऊर्जा महसूस करेंगे।

नियमित व्यायाम करें: नियमित व्यायाम करने से न केवल आपका शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि आपकी आंखें भी तरोताजा महसूस होती हैं। रोजाना थोड़ी देर टहलें या योग करें ताकि रक्त संचार बेहतर हो सके। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपनी आंखों की देखभाल कर सकते हैं और उन्हें स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। इन आसान तरीकों से आपकी आंखें तरोताजा, युवा और खूबसूरत दिखेंगी।